आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 110 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025

बिहार की धरती से प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को दिया संदेश, आतंक के आकाओं को ललकार

बदला लेगा हिंदुस्तान

एजेंसी ● मधुबनी/नई दिल्ली

बिहार के मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने पहलगाम हमले पर अपना पहला सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा, 'आज बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया से कहता हूं, भारत हर आतंकवादी और उनके आकाओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उन्हें धरती के आखिरी छोर तक खोजेंगे और सजा देंगे। इस बार ऐसी सजा मिलेगी जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी।

पीएम मोदी ने शुरूआत में कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए भारतीयों को मौन श्रद्धांजलि देने को कहा। उसके बाद उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ हों, उसके लिए सरकार हर प्रयास कर रही है। साथियों, इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई उड़िया था, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज उन सभी की मौत पर, करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है। ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंकियों के आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी।

Today from the soil of Bihar I tell the whole world India will identify and punish every terrorist and their backers. We will pursue them till the end of the earth. India's spirit will never be broken by terrorism. Every effort will be made to ensure justice is done. I thank the people of various countries who have stood with us.

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का साथ

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी स्थिति को लेकर सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार को विपक्ष का भी साथ मिल गया। सबने एक स्वर में सरकार की आतंकवाद से निपटने की किसी भी तरह की कार्रवाई का समर्थन किया है। साथ ही कहा कि यह घटना बहुत हृदयविदारक है। जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है उन्हें बिल्कुल भी बख्शा न जाए। जरुरत पड़ने पर पाकिस्तान के भीतर घुसकर कार्रवाई करने जैसे सुझाव दिए गए है। इस बीच सरकार ने भी घटना के बाद पीड़ितों की मदद और आतंकवादियों और उनके पनाहगारों के खिलाफ भी उठाए गए कदमों से भी विपक्षी दलों को अवगत कराया है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह अमित शाह जयशंकर निर्मला सीतारमण भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के नेता मौजूद थे।

रिट्रीट सेरेमनी में बदलाव

आतंकी हमले के बाद सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने अहम फैसला लिया है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर रोजाना होने वाली बीटिंग रीट्रीट सेरेमनी को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। अब अटारी, हुसैनीवाला और सादकी बॉर्डर पर रीट्रीट सेरेमनी के दौरान भारत और पाकिस्तान के जवानों के बीच हाथ नहीं मिलाया जाएगा। इसके साथ ही सेरेमनी के समय बॉर्डर के गेट बंद रहेंगे। हमले के बाद लोगों ने ये मांग की थी कि पाकिस्तान के साथ रीट्रीट सेरेमनी को बंद किया जाना चाहिए। फिलहाल सेरेमनी जारी रहेगी, लेकिन उसमें अब पारंपरिक हाथ मिलाने जैसे कुछ हिस्से शामिल नहीं होंगे। इसके अलावा भारत सरकार ने रक्षा बलों को खुली छूट दे दी है ताकि किसी भी तरह के हमले का जवाब दिया जा सके।

राष्ट्रपति से मिले शाह और जयशंकर

सर्वदलीय बैठक से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकरने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि दोनों मंत्रियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस मुलाकात में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद सरकार की ओर से लिए गए फैसलों की जानकारी दी है।

पाकिस्तान का X अकाउंट ब्लॉक

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति सख्त रवैया अख्तियार किया है। भारत ने पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक X अकाउंट ब्लॉक कर दिया। इस फैसले के बाद पाकिस्तान सरकार का एक्स हैंडल भारत में अब नहीं दिखेगा और ना ही उसके कोई पोस्ट नजर आएंगे। हालांकि अन्य देशों में यह अकाउंट एक्टिव दिखेगा। जानकारी के अनुसार, एक्स के अलावा पाकिस्तान सरकार की आधिकारिक वेबसाइट को भी भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। अब भारत में https://pakistan.gov.pk/ को एक्सेस नहीं किया जा सकता है।

पाकिस्तानियों को वापसी का निर्देश

भारत ने दोनों देशों के बीच स्थलीय मार्ग अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) को रोक दिया है। इसके साथ ही भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 1 मई 2025 तक आईसीपी के माध्यम से स्वदेश लौटने का निर्देश दिया गया है। इस दिन के बाद दोनों देशों के बीच सभी स्थलीय यात्रा अनिश्चितकाल के लिए निलंबित हो जाएंगी। पाकिस्तानी नागरिकों को भारत द्वारा पहले से जारी सभी वैध वीजा 27 अप्रैल 2025 से रद्द माने जाएंगे। हालांकि, पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल 2025 तकवैध रहेंगे।

डरे सैफुल्लाह ने कहा- पहलगाम हमले से मेरा कोई ताल्लुक नहीं

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अब भारत ने जिस तरह से जवाबी ऐक्शन लिया है, उसके बाद से पाकिस्तान के होश फाख्ता है। पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड सैफुल्लाह खालिद कसूरी भी घबरा उठा है। उसने खुद सामने आकर बयान जारी किया है कि इस हमले से उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसने भारत का एक्शन रोकने के लिए दुनिया से गुहार लगाई है। पहलगाम के बैसरन में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली थी। सैफुल्लाह जम्मू-कश्मीर में लश्कर और टीआरएफ की गतिविधियों का मेन ऑपरेटर है। लेकिन भारत के ऐक्शन से घबराए सैफुल्लाह ने खुद वीडियो जारी कर ना सिर्फ पहलगाम हमले की निंदा की है बल्कि उसने इसमें अपनी भूमिका होने से भी इनकार किया है। उसने कहा, हम इस हमले की पुरजोर मजम्मत (निंदा) करते हैं। इस हमले की आड़ में भारतीय मीडिया ने मुझे आरोपी बना दिया है और पाकिस्तान पर इल्जाम गढ़ दिया है, ये बेहद अफसोसजनक है।' सैफुल्लाह कसूरी ने कहा कि 'भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है। वो पाकिस्तान के पानी को रोकना चाहता है। पाकिस्तान को तबाह करना चाहता है।' भारत ने जम्मू-कश्मीर में 10 लाख से ज्यादा फौज भेजी हुई है और अब वह पाकिस्तान की शांति को भी बर्बाद करना चाहता है। सैफुल्लाह ने भारत के कहर से बचाने के लिए कहा, 'हम दुनिया से ये गुहार लगाते हैं कि वो आंखें बंद करके भारत की हिमायत करने के बजाय हक का साथ दे। इस दौरान उसने पहलगाम हमले को भारत की साजिश बता डाला और कहा कि इसका पाकिस्तान और पाकिस्तान के किसी नागरिक के साथ कोई ताल्लुक नहीं है।'

चार पाकिस्तानी महिलाओं को निकाला

विजिटर वीजा पर आई पांच पाकिस्तानी महिलाओं में से चार को गुरुवार को बुलंदशहर से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया। इस दौरान सभी महिलाएं रोती हुई नजर आईं। पांचों महिलाएं अपने रिश्तेदारों के यहां आई थीं। एलआईयू की टीम ने रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की है।

जी20 देशों के राजदूतों को दी जानकारी

जर्मनी, जापान, पोलैंड, ब्रिटेन और रूस समेत कई देशों के राजदूत विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने चीन और कनाडा सहित जी20 देशों के चुनिंदा राजदूतों को पहलगाम हमले के बारे में जानकारी दी। यह बैठक करीब 30 मिनट तक चली।

पाक सीमा में घुसा जवान, रेंजर्स ने हिरासत में लिया

फिरोजपुर । पंजाब के फिरोज़पुर सेक्टर में एक बीएसएफ जवान गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान चला गया, जिसके बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने उसे हिरासत में ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना बुधवार दोपहर की है। सेना के सूत्रों ने बताया कि जवान की पहचान 182वीं बीएसएफ बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह के रूप में हुई, जो भारत-पाक सीमा के पास खेत के पास ड्यूटी पर थे। नियमित आवाजाही के दौरान पीके सिंह अनजाने में भारतीय सीमा की बाड़ को पार कर पाकिस्तानी क्षेत्र में चले गए, जहां उन्हें फिरोजपुर सीमा के पार पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। पीके सिंह वर्दी में थे और उनके पास उनकी सर्विस राइफल थी। जवान को हिरासत में लिए जाने के बाद भारतीय सेना और पाकिस्तान रेंजर्स मामले को सुलझाने और सैनिक की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग शुरू हुई है। लेकिन जवान को अभी तक वापस नहीं सौंपा गया है। जवान की सुरक्षित और जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं। सैनिकों या नागरिकों द्वारा इस तरह की अनजाने में सीमा पार करना असामान्य नहीं है। हिरासत में लिए गए लोगों को आमतौर पर प्रक्रियात्मक फ्लैग मीटिंग के बाद वापस भेज दिया जाता है। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है।

एयरस्पेस और वाघा बॉर्डर बंद, शिमला समझौता भी रद्द करने की धमकी

एजेंसी ● इस्लामाबाद

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े फैसले लिए हैं। इससे पाकिस्तान की छटपटाहट बढ़ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने आनन-फानन में नेशनल सिक्योरिटी कमेटी (NSC) की बैठक बुलाई। इसमें पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के उठाए कदमों पर चर्चा के बाद पाकिस्तान ने कई फैसले लिए हैं।

पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के कदम को पूरी तरह खारिज

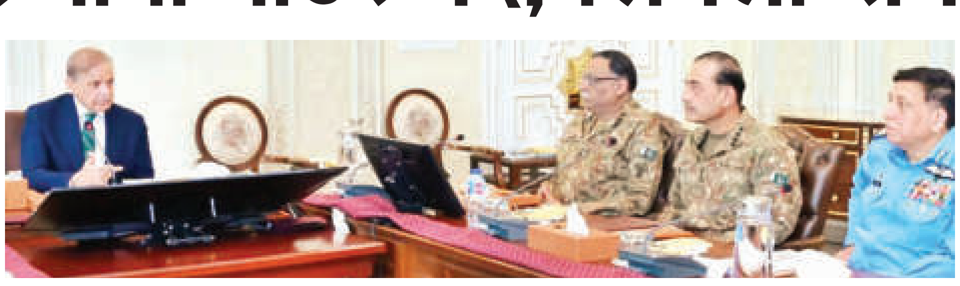

करते हुए कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसे भारत अकेले निलंबित नहीं कर सकता। यह पाकिस्तान की जनता के लिए लाइफलाइन है और इस पर कोई समझौता नहीं होगा। अगर भारत ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोका या मोड़ा, तो इसे युद्ध की कार्यवाही माना जाएगा और पूरे राष्ट्रीय बल से जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और यूएन प्रस्तावों का उल्लंघन करता है। पाकिस्तान के अंदर आतंकवाद फैलाता है। कश्मीर पर अवैध कब्जा कर वहां लोगों पर अत्याचार करता है। पाकिस्तान ने कहा कि वह शिमला समझौते समेत भारत से किए गए सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर तत्काल बंद कर भारत से लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। साथ ही जो लोग वैध वीज़ा से पाकिस्तान गए हैं, उन्हें 30 अप्रैल तक वापस लौटने को कहा गया है। SAARC वीज़ा योजना के तहत भारतीयों को जारी सभी वीज़ा रद्द कर दिए है। सिर्फ सिख तीर्थयात्रियों को छूट रहेगी। बाकी सभी को 48 घंटे में पाकिस्तान छोड़ने का आदेश दिया गया है।

पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय रक्षा, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को अवांछित घोषित कर उन्हें 30 अप्रैल 2025 से पहले पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। भारतीय उच्चायोग में स्टाफ की संख्या 30 तक सीमित की गई है। -भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस तत्काल बंद करने का फैसला लिया गया है। भारत के साथ हर तरह का व्यापार, चाहे किसी तीसरे देश के रास्ते से हो, तत्काल रोका गया।

27 अप्रैल को आयोजित इस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे

10,248 वर्गफुट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्कयूबेशन सेंटर

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में 27 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 में देश-विदेश की आईटी दिग्गज कंपनियों की भागीदारी देखने को मिलेगी। मध्य प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कॉन्क्लेव में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया जैसी नामचीन कंपनियां शिरकत करेंगी। इस आयोजन का उद्देश्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 में की गई निवेश घोषणाओं को धरातल पर उतारना है। इस कॉन्क्लेव में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

पंचशील टेक्नो पार्क और इन्कयूबेशन सेंटर का होगा भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 10 एकड़ भूमि पर 20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में आईटी इमारत का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना में लगभग 1 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, जिससे 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा सिंहासा आईटी पार्क में 120-सीटर इन्कयूबेशन सेंटर की शुरुआत भी मुख्यमंत्री के हाथों होगी। इस कार्यक्रम में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स जैसी दो नई कंपनियों का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 10,248 वर्गफुट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्कयूबेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी।

'टेक डेस्टिनेशन मध्य प्रदेश' फिल्म का होगा प्रदर्शन

आईटी कॉन्क्लेव के दौरान शाम को एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्यूरेट की गई विशेष फिल्म 'टेक डेस्टिनेशन मध्य प्रदेश' दिखाई जाएगी। इस फिल्म के जरिए राज्य के तकनीकी विकास की कहानी को दर्शाया जाएगा। फिल्म प्रदर्शन के उपरांत नीतिगत घोषणाएं की जाएंगी और मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) की कॉफी टेबल बुक का भी अनावरण किया जाएगा। साथ ही, उत्कृष्टता केंद्रों, इन्कयूबेशन हब, सॉफ्टवेयर विकास सुविधाओं और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर नोडल का उद्घाटन भी इसी सत्र में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

आईटी कॉन्क्लेव के समापन सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी निवेश परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को एंड-टू-एंड सपोर्ट दिया जाएगा, जिससे परियोजनाओं की प्रगति को ट्रैक करना आसान होगा।

यह कंपनियां करेंगी शिरकत

मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) इंदौर के स्टॉफ महाप्रबंधक एवं नोडल अधिकारी द्वारकेश कुमार सराफ ने बताया कि दुनिया की शीर्ष कंपनियां यहां आएंगी। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एनवीडिया, सीमंस ईडीए, एएनएसआर, थोलोन्स, योटा इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीटीआर एलएस, रैक बैंक, नेट लिंक, इन्फो-बीन्स, डेटा इंजीनियस, बलकेनैस टेक्नोलॉजी, एचएल बीएस टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पंचशील रियल्टी, एम्बर इंटरप्राइजेज, केदार कैपिटल, बोस्टन इंडिया, प्राइमस पार्टनर्स, वीएलएस आई सोसाइटी ऑफ इंडिया, कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम), इम्पिटस टेक्नोलॉजीस, अपॉइंटी, यश टेक्नोलॉजीस प्रमुख हैं।

न्यूज ब्रीफ

अग्रवाल परिषद के नए संचालक मंडल में खजांची अध्यक्ष

इंदौर। अग्रवाल परिषद की वार्षिक साधारण सभा वल्लभ नगर स्थित एक होटल पर गुरुवार को संपन्न हुई, जिसमें वर्ष 2025-26 के लिए नए पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ। सर्वानुमति से नए संचालक मंडल में मनीष खजांची अध्यक्ष एवं राजेश नागौरी सचिव मनोनीत किए गए। अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। चुनाव अधिकारी अनिल गोयल एवं दिलीप अग्रवाल ने बताया कि बैठक में निवृत्तमान अध्यक्ष शिव जिंदल ने अपने पिछले वर्ष के कार्यकाल का विवरण प्रस्तुत किया, जो सर्वानुमति से मान्य किया गया। वर्ष 2025-26 के लिए नए संचालक मंडल के गठन की प्रक्रिया में मनीष खजांची अध्यक्ष, राजेश नागौरी सचिव, राजेश अग्रवाल उपाध्यक्ष, विनीता अग्रवाल महिला उपाध्यक्ष, राजेन्द्र अग्रवाल कोषाध्यक्ष तथा हुकमचंद गोयल सहसचिव चुने गए। पुरुष कार्यकारिणी में मनीष अग्रवाल भायाजी, विशाल अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, प्रकाश गोयल गोपू, अमित ब्रजमोहन अग्रवाल, मुकेश ब्रजवासी, सुनील गर्ग एवं विवेक बंसल तथा महिला कार्यकारिणी में प्रियंका गर्ग, उषा मित्तल, पुष्पा चौधरी एवं शोभा गुप्ता शामिल किए गए। गोपालदास गर्ग पुनः अंकेक्षक नियुक्त किए गए। सभी पदाधिकारियों का मनोनयन सर्वानुमति से किया गया।

अग्रसेन महासभा का शपथ विधि समारोह रविवार को

इंदौर। श्री अग्रसेन महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, उनकी नई कार्यकारिणी तथा महासभा के मांगलिक भवन के पदाधिकारियों का शपथ विधि समारोह वृंदावन के आचार्य महांमडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज के सान्निध्य में रविवार को सायं 7.30 बजे बायपास स्थित होटल द पार्क पर होगा। समाजसेवी डॉ. कैलाश धानुका शपथ विधि अधिकारी होंगे। महासभा के निवृत्तमान अध्यक्ष सीए एसएन गोयल, सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल कोल, कार्यक्रम संयोजक प्रकाश मोमबत्ती एवं प्रवीण मुरारका ने बताया कि वे अग्रसेन महासभा के वर्ष 2025-26 के संचालक मंडल अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल के साथ उपाध्यक्ष राजेश जिंदल, कोषाध्यक्ष प्रदीप बंसल, सहसचिव अनूप सिंघल एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

भगवान चाहते तो अकेले ही गोवर्धन पर्वत उठा सकते थे

इंदौर। भगवान चाहते तो अकेले ही गोवर्धन पर्वत उठा सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने बाल ग्वालों का सहकार लेकर उन्हें भी महत्व दिया। स्वामी दीनबंधुदास महाराज ने बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर चल रहे भागवत में गोवर्धन पूजा एवं अन्य प्रसंगों की कथा में व्यक्त किए।

लोक अदालत में आओ, तीस % तक छूट व पूर्ण ब्याज माफी पाओ

मालवा निमाड़ में विद्युत संबंधी हजारों प्रकरणों के समाधान की तैयारी

संवाददाता ● इंदौर

समाधान

इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार 10 मई को आयोजित हो रही हैं। इसकी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तत्वावधान में प्रभावी तैयारी की जा रही है। मालवा और निमाड़ में 44 स्थानों (न्यायालयों) पर आयोजित होने वाली लोक अदालत में हजारों प्रकरण समाधान के लिए रखे जाएंगे। बिजली कंपनी की ओर नोटिस भेजे जाएंगे। पात्रतानुसार सिविल दायित्व की राशि पर तीस प्रतिशत एवं ब्याज पर शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी ।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरण निराकरण के लिए सघन प्रयास किए जाएंगे। 10 मई की लोक अदालत के लिए इंदौर जिले के 62 जोन, वितरण केंद्र समेत मालवा निमाड़ के 425 जोन, वितरण केंद्रों, कार्यालयों के माध्यम से तैयारी हो रही हैं। लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता होगा। प्री लिटिगेशन के निम्नदाब श्रेणी के पात्र घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट मिलेगी। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व, अपराध शमन राशि एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। लोक अदालत के दौरान छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनाधिकृत उपयोग पहली बार किए जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। यदि आवेदक के अन्य कोई कनेक्शन भी है, तो वहां की राशि पूर्ण जमा होना आवश्यक है। लोक अदालत में छूट दस लाख तक के आंकलित सिविल दायित्व वाले प्रकरणों के संबंध में ही प्रदान की जाएगी।

फ्रेंड्स ऑफ ट्रायबल सोसायटी इंदौर ने हासिल किए तीन पुरस्कार

संवाददाता ● इंदौर

वन बंधु परिषद के सहयोगी संगठन फ्रेंड्स ऑफ ट्रायबल सोसायटी इंदौर (एफटीएस) ने हाल ही बैंगलुरू में आयोजित एफटीएस युवा के राष्ट्रीय सम्मेलन 'अभिज्ञ-2.0' में तीन पुरस्कार अपने नाम दर्ज किए हैं। इनके अलावा 8 अन्य श्रेणियों में भी इंदौर की एफटीएस टीम का नामांकन हुआ है।

एफटीएस युवा इंदौर की अध्यक्ष रानू गुप्ता एवं सचिव मोनिका कंसल ने बताया कि तीन दिवसीय इस सम्मेलन में डॉ. जय मदान, ब्रह्मकुमारी वीणा दीदी तथा वरिष्ठ पत्रकार मनोज्ञा लोईवाल भी अतिथि के रूप में शामिल थे। इन तीन दिनों में एफटीएस इंदौर की युवा टीम ने किड्स, ग्राम गति के लिए फील्ड प्रोजेक्ट और लगातार चौथी बार सबसे स्ट्रांग सोशल मीडिया प्रेजेंस के लिए पुरस्कार प्राप्त किए। इस सम्मेलन में एसटीएफ इंदौर की ओर से कोषाध्यक्ष चेतना जैन, वेस्ट झोन को-आर्डिनेटर रासू जैन, डिजिटल और क्रिएटिव हेड चांदनी रोचलानी, रूचि गुप्ता एवं रुचिता मित्तल भी शामिल हुए, जिन्होंने अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्राप्त किए।

अभियान 6 महीने तक चलेगा

शहर में 30 हजार कुत्तों की नसबंदी की जाएगी

महाअभियान

संवाददाता ● इंदौर

जिला प्रशासन ने शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के लिए एक महाअभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत लगभग 30 हजार कुत्तों की नसबंदी की जाएगी, जिसमें रोजाना 175 कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी की जाएगी यह अभियान 6 महीने तक चलेगा और इसके लिए तीन विभागों के बीच रणनीति तय की गई है।

इन्दौर कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इस अभियान को इस तरह से किया जाए कि 6 महीने में ही परिणाम नजर आने लगें। उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान में 25 से 30 स्ट्रीट डॉग की नसबंदी प्रतिदिन हो रही है, जबकि अगले 6 महीने तक 175 डॉग्स की प्रतिदिन नसबंदी करने का टारगेट है।

हालांकि, इस अभियान के दौरान कुछ लापरवाही भी सामने आई है जहां कई कुत्तों के नसबंदी के टांके खुल गए हैं प्रियांशु जैन ने कलेक्टर से मुलाकात कर नगर निगम टीम को रात के समय में कुत्तों को रिस्क न करने और नसबंदी के दौरान डॉग को होने वाली परेशानी का ध्यान रखने का अनुरोध किया है। कलेक्टर ने इस मामले में विश्वास दिलाया है कि आगे से इन चीजों का ध्यान रखा जाएगा

लगभग 30 हजार कुत्तों की नसबंदी की जाएगी रोजाना का टारगेट 175 कुत्तों की नसबंदी प्रतिदिन अभियान की अवधि 6 महीने विभागों की भागीदारी नगर निगम, पशु पालन व पशु चिकित्सा विभाग एनजीओ और नागरिक इस अभियान का उद्देश्य शहर में कुत्तों की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। साथ ही, कुत्तों के प्रति सहानुभूति और उनके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाएगा

सूरज की तपिश से लोग हलाकान

गर्मी के तेवर तीखे हो रहे पारा लगातार 41 डिग्री पर

संवाददाता ● इंदौर

00000

गर्मी के तेवर फिर तीखे हो गए हैं। पिछले तीन दिनों से तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। गुरुवार को भी तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। एक हफ्ते में यह तीसरी बार हुआ कि दिन का पारा 41 डिग्री या उससे ज्यादा रहा। गुरुवार को भी सूरज की तपिश से लोग काफी हलाकान हुए। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी गर्मी के तेवर तीखे ही रहेंगे।

गुरुवार को सुबह से ही मौसम साफ था और धूप तेजी से चढ़ने लगी थी। फिर 11 बजे से गर्म हवा चलना शुरू हो गई, जो देर शाम तक चलती रही हालाँकि रात में तापमान लगातार कम होता गया । इधर शहर में कई चौराहों पर ग्रीन नेट या शेड लगाए गए हैं, पर ये नाकाफी हैं। सिग्नल पर लंबी कतार के कारण कई वाहन चालक शेड तक नहीं पहुंच पाते हैं और ग्रीन सिग्नल चालू होने तक पसीने में तर हो रहे हैं। शाम 5 बजे तक दिन काफी गर्म रहा। रात को भी गर्मी का असर तेज था।

इस बार सबसे कम विक्षोभ आए

इस बार अप्रैल में गर्मी को रोकने वाले पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहे हैं। विक्षोभ आए, लेकिन हलके बादल ही छाए रहे। पिछले दो साल के मुकाबले इस बार सबसे कम विक्षोभ आए हैं। वहीं इस महीने में 5बार दिन का तापमान 41 डिग्री पार हुआ है। अगले चार दिन मौसम इसी तरह का रहने वाला है। 28 अप्रैल से दिन के मौसम में कुछ बदलाव आ सकता है। हलके बादल छाएंगे, जिससे धूप का लगातार रहने वाला सफर बीच-बीच में थमता रहेगा। हालांकि इससे तापमान पर असर नहीं होगा। यह 39 से 41 डिग्री के बीच ही रहने वाला है।

गीता भवन में भागवत ज्ञान यज्ञ में भजनों पर थिरक रहे श्रद्धालु

मन के विचारों को पवित्र बनाती है भागवत कथा : साध्वी कृष्णानंद

संवाददाता ● इंदौर

कथा श्रवण के लिए जब तक श्रद्धा और विश्वास के पात्र लेकर नहीं बैठेंगे, तब तक प्रभु कृपा की बूंदें हमारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगी। भागवत हमें हर कार्य में सिद्धि प्रदान करने का ग्रंथ है। हर व्यक्ति जीवन में श्रेष्ठता और सर्वोच्चता पाना चाहता है। भागवत वह ग्रंथ है, जो हमें सर्वोच्च और श्रेष्ठ मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जीवन में पूर्णता और दिव्यता तभी मिलेगी, जब हम भागवत जैसे धर्म ग्रंथों का आश्रय लेंगे। हमारे मन के विचारों को शुद्ध और पवित्र बनाने का काम हमारे धर्म ग्रंथ करते हैं। विचारों से ही व्यक्ति मानव से महामानव बनने की ओर प्रशस्त होता है।

00000

ये प्रेरक विचार हैं वृंदावन-हरिद्वार की साध्वी कृष्णानंद के, जो उन्होंने मनोरमागंज स्थित गीता भवन सत्संग सभागृह में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज के सान्निध्य में प्रारंभ हुए भागवत ज्ञान यज्ञ में व्यक्त किए। कथा के दौरान वृंदावन से आए संगीतज्ञों एवं भजन गायकों ने ऐसा जादू बिखेरा कि हर कोई थिरक उठा। कथा शुभारंभ के पूर्व समाजसेवी कमलेश शिवहरे, गौरव शिवहरे, श्याम मोमबत्ती एवं अर्पित शिवहरे तथा महिला मंडल की ओर से सुजाता, नेहा और चांदनी ने व्यासपीठ का पूजन किया। संयोजक कमलेश शिवहरे ने बताया कि गीता भवन में भागवत ज्ञान यज्ञ का यह दिव्य अनुष्ठान 29 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा।

साध्वी कृष्णानंद ने कहा कि जीव मात्र का स्वभाव है कि वह हर काम में सफलता और सार्थकता चाहता है। भागवत की कथा हमारे जीवन को ऐसी सिद्धि प्रदान करती है, जो हमें सफलता के चरम तक पहुंचा सकती है। सीधे-सीधे कहें तो भागवत वह पावन गंगा है, जो हमारे तन-मन को शीतलता प्रदान कर नकारात्मकता को दूर करती है और हमारे विचारों को निर्मल और पवित्र बनाने में मदद करती है। एक छोटा बालक भी चाहता है कि वह जो भी काम कर रहा है, उसमें सफलता के शिखर तक पहुंचे।

किसी भी काम की शुरुआत विचारों से होती है। विचारों से ही व्यक्तित्व बनता है। भागवत और अन्य सभी धर्मग्रंथ हमारे विचारों को शुद्ध और पवित्र बनाते हैं और इसीलिए हमारे लक्ष्य सफल एवं सार्थक होते हैं। मानव से महामानव बनना है तो गीता, भागवत, रामायण जैसे धर्मग्रंथों का आश्रय लेना होगा।

पूर्व सीएम बघेल ने पहलगाम आतंकी हमले को झीरम कांड से जोड़ा

कहा- दोनों जगह सुरक्षा नहीं थी, वहां भी नाम पूछकर मारा गया था

संवाददाता ● दुर्ग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज एक प्रेस वार्ता कर कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि इस हमले ने न सिर्फ 27 परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे देश को शोक में डुबो दिया है. बघेल ने इस आतंकी घटना को ह्यझीरम घाटी की घटनाह्व से जोड़ते हुए केंद्र सरकार की नाकामी पर सवाल उठाए. वहीं संविधान बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित की जा रही ह्यसंविधान बचाओ रैलीह्व पर भी विस्तृत चर्चा की और भाजपा की आलोचना की.भिलाई के एक निजी होटल में आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पहलगाम की दुखद घटना पर गहरी पीड़ा व्यक्त की. उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले से देश की 140 करोड़ जनता व्यथित है.उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले में 27 परिवार उजड़ गए. जो लोग खुशी के पल बिताने गए थे, वे अब दुखी होकर लौटे हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कल ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा एक निंदा प्रस्ताव पारित किया गया है.भूपेश बघेल ने कहा कि आज की इस वार्ता में ह्यपहलगाम की घटनाह्व और ह्यसंविधान बचाओ रैलीह्व पर बात करने आए हैं. उन्होंने कहा कि एक पहलू यह है कि धर्म पूछ-पूछ कर हत्याएं की गई, कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया. दूसरा पहलू यह है कि जो लोग घोड़ा चला रहे थे, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर पर्यटकों को बचाया. इन दोनों घटनाओं में समानता यह है कि हमने भी झीरम में अपनों को खोया था. वहां भी सुरक्षा नहीं थी और पहलगांव में भी सुरक्षा नहीं थी.

भूपेश बघेल ने कहा कि झीरम में भी नाम पूछ-पूछ कर मारा गया था. वहां भी 33 लोग मारे गए थे और पहलगाम में भी 27 लोगों की जान गई. पहलगाम में भी पुलिस बल और अर्धसैनिक बल मदद के लिए सामने नहीं आया. इस घटना ने झीरम घाटी की घटना की याद ताजा कर दी. हमारे सभी नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की, शोक व्यक्त किया और केंद्र सरकार को समर्थन देने की बात कही. लेकिन भाजपा की सोशल मीडिया टीम ने सिर्फ ह्यधर्म पूछ-पूछ कर माराह्व को ही मुख्य मुद्दा बना दिया. पूर्व सीएम ने सवाल उठाते हुए कहा कि वहां सहायता क्यों नहीं पहुंची?

इसका जिम्मेदार कौन है? इंटेलिजेंस फेलियर का जिम्मेदार कौन है?

संविधान बचाओ रैली को लेकर पूर्व सीएम बघेल ने कहा कि आज राष्ट्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है. संविधान को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है. महंगाई लगातार बढ़ रही है और सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने की तैयारी की जा रही है. रायपुर में कांग्रेस के अधिवेशन से पहले ईडी ने कई कांग्रेस नेताओं के घर छापे मारे. अहमदाबाद में भी राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई. नेशनल हेराल्ड को लेकर बघेल ने कहा कि देश की आजादी में नेशनल हेराल्ड से निकलने वाली पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. यह एक राष्ट्रीय धरोहर के रूप में है. उस संस्था पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जो सेक्शन 8 के तहत संचालित है.

भाजपा के नेता ने 5 हजार करोड़ रुपये के मामले का झूठा हल्ला मचाया, जबकि इस परिवार ने सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति दान कर दी है. भाजपा के नेता लगातार अफवाह फैलाने और कांग्रेस नेताओं को दुर्भावना से फंसाने की कोशिश की जा रही है. इसके विरोध में हमें निर्देश मिला है कि 40 दिनों तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिसमें ह्यसंविधान बचाओ रैलीह्व का आयोजन भी शामिल है.

क्या है झीरम घाटी हत्याकांड

झीरम घाटी हत्याकांड 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के झीरम घाटी में हुआ था. यह घटना नक्सली हिंसा का हिस्सा थी और इसमें कांग्रेस पार्टी के कई प्रमुख नेताओं की हत्या हुई थी. छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2013 के पहले कांग्रेस ने अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए परिवर्तन यात्रा की शुरूआत की थी. उस दौरान राज्य में भाजपा सरकार थी. इस परिवर्तन यात्रा के जरिए कांग्रेस सत्ता पर काबिज होना चाह रही थी, लेकिन इसी बीच 25 मई 2013 को एक नक्सली हमले ने छत्तीसगढ़ को ही नहीं, बल्कि पूरे देश को हिला कर रख दिया. इस हमले में नक्सलियों ने एक साथ छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को मौत के घाट उतार दिया. मरने वालों में तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, विद्या चरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार सहित लगभग 30 से अधिक नेता, कार्यकर्ता और कई जवान शामिल थे. इतना बड़ा राजनीतिक नरसंहार देश में इससे पहले नहीं हुआ था.

न्यूज कॉलम

नदी में नहाने गए थे चार दोस्त, एक की डूबने से मौत

कांकेर। जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जिसमें एक नाबालिग की कोटरी नदी में डूबने से मौत हो गई. यह घटना उस समय घटी जब चार दोस्त नहाने के लिए नदी के एनीकेट में उतरे थे और एक साथी की जीवन की समाप्ति हो गई, जबकि दूसरा किसी तरह बच निकला. यह मामला परतापुर थाना क्षेत्र का है. मिली जानकारी के अनुसार, परतापुर के कोटरी नदी के एनीकेट में आज दोपहर चार नाबालिग दोस्त नहाने गए थे. नहाते समय दो दोस्त नदी में उतर गए, लेकिन अचानक एक दोस्त डूबने लगा. बहार खड़े जब दो दोस्तों ने उसे डूबते हुए देखा तो आसपास के ग्रामीणों से मदद मांगी. घटनास्थल पर एक नाबालिग की मौत हो गई, जबकि दूसरे की स्थिति सामान्य रही. स्थानीय ग्रामीणों ने किसी तरह डूबे हुए नाबालिग को बाहर निकाला और उसे स्कूटी में पखांजुर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. सभी नाबालिगों की उम्र लगभग 16 वर्ष थी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके [पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है.

शादी में आई बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने छेड़छाड़ और पास्को एक्ट की धारा में मामला दर्ज कर आरोपी वाहिद खान को गिरफ्तार कर लिया है. पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है.जानकारी के मुताबिक, विवाह समारोह में शामिल होने आई 9 वर्षीय मासूम के साथ पड़ोस में किराए पर रहने वाले आरोपी वाहिद खान ने वारदात को अंजाम दिया है. मासूम के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ा।

पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने आतंकी हमले पर दिया बड़ा बयान- कहा

नक्सलवाद की तरह आतंकवादियों के खात्मे का भी देना चाहिए टारगेट

संवाददाता ● रायपुर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया है (उन्होंने अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान मीडिया से कहा कि केंद्र सरकार ने जिस तरह छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को समाप्त करने का टारगेट रखा है. सरकार को उसी तरह देश से आंतकवाद को खत्म करने का भी टारगेट देना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि पहलगांव में हुई घटना अत्यंत अमानवीय, वीभत्स और निंदनीय है।

आतंकियों द्वारा प्रदेश और देश में अस्थिरता का वातावरण पैदा करने, आपसी भाईचारा को तोड़ने के लिए यह कुत्सित प्रयास किया गया है. इस मौके पर हम सब, पूरा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा है. बड़े से बड़ा जवाब दिया जाए और आतंकवाद को समूल जड़ से समाप्त किया जाए। पूर्वी डिप्टी सीएम सिंहदेव ने आगे कहा कि सीमा पर आतंकवादी संगठन इसी तरह की घटना को अंजाम देते रहे हैं. बीते वर्षों में इसमें कमी देखी गई है. आंकड़ों, घटनाओं में कमी आ रही है, लेकिन सिलसिला थम नहीं रहा है. इसलिए इसे जड़ से खत्म करने की दिशा में सरकार को जल्द निर्णय लेना चाहिए। बता दें, छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया गया है. बीते 32 घंटो से तीन राज्यों (छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र) के 5 हजार से अधिक सुरक्षा बलों ने टॉप नक्सली लीडर हिड़मा, देवा, विकास समेत बड़े कैडर के नक्सलियों को घेर

रखा है. लगातार चल रही पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में अब तक 5 नक्सली मारे जा चुके हैं.जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह से करीब 5 हजार से अधिक की संख्या में नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों ने माओवादी संगठन के बटालियन नंबर-1 के नक्सलियों को घेर रखा है. लगातार दोनों ओर से गोलीबारी जारी है. यह मुठभेड़ कर्रेगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर 30 घंटे से जारी है. इस मुठभेड़ में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट के जवानों ने मोर्चा संभाला है. अब तक 100 से अधिक आईईडी मिलने की बात सामने आई है, जिन्हें जवानों को निशाना बनाने के मकसद से बिछाया गया था।

जवानों के घेरे में कई बड़े नक्सली लीडर

इस इलाके में नक्सलियों की बटालियन नंबर 1, 2, समेत अन्य कंपनियां सक्रिय हैं. बताया जा रहा है कि मौके पर 100 से अधिक संख्या में नक्सली मौजूद हैं. टॉप नक्सली लीडर हिड़मा, देवा, विकास समेत आंध्र-तेलंगाना-महाराष्ट्र के सेंट्रल कमेटी, (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी), (डिविजनल कमेटी मेंबर), (एरिया कमेटी मेंबर), संगठन सचिव जैसे बड़े कैडर्स के नक्सली भी यहां मौजूद हैं।

राज्य सरकार पर साधा निशाना

वहीं उन्होंने प्रदेश में कामकाज को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि मैंने राज्य सरकार को उनके कार्य के लिए पहले 4.5 अंक दिए थे. लेकिन अब घटाकर 4 करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि एक साल बाद भी सड़कों की हालत नहीं सुधरी है. सरगुजा से रामानुजगंज तक सड़कों की हालत बेहद बदहाल है. बदलाव को जनता उम्मीद से देख रही थी. लेकिन जमीन पर नतीजा निराशाजनक है.

भीषण गर्मी के चलते ट्रांसफार्मर में बढ़ा लोड, देखते ही देखते हुआ ब्लास्ट, चपेट में आया घर

संवाददाता ● रायपुर

दुर्ग. छत्तीसगढ़ में अब बढ़ते तापमान के चलते ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं. शहरों में गर्मी से बचाव के लिए बिजली की खपत बढ़ी है, जिसके चलते विद्युत उपकरणों में आग लग रहे हैं. दुर्ग में भी ऋषभ अपार्टमेंट में लगा ट्रांसफार्मर ज्यादा लोड बढ़ने से ब्लास्ट हो गया और आग करीब स्थित एक घर तक पहुंच गई. घर में रखी सूखी लकड़ियां जलकर खाक हो गईं. घटना के बाद लोगो में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगड को सूचना दी, जिसके बाद विभागीय टीम वहां पहुंची. फायर ब्रिगेड की टीमों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और आवासीय घरों की तरफ बढ़ रहे आग को भी बढ़ने से पहले बुझा लिया. राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. बता दें, बीते दिन राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर में भी ट्रांसफर्रमर ब्लास्ट होने से आग भभक उठी थी. हर साल गर्मी का दौर शुरू होते ही ऐसी घटनाओं में वृद्धी देखी जाती है.

सास की हत्या करने वाली बहू को उम्रकैद, कोर्ट ने पांच साल बाद सुनाया फैसला

संवाददाता ● खैरागढ़

सास की हत्या करने वाली बहू को पांच साल बाद अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 24 वर्षीय रूपा साहू ने घरेलू विवाद के चलते अपनी सास बिंदा साहू की लोहे की फूंकनी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। यह वारदात जुलाई 2020 में हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अदालत में चालान पेश किया था। करीब 5 साल तक चले मुकदमे के बाद अब अदालत ने बहू को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

साथ ही 1000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। यह मामला खैरागढ़ थाना क्षेत्र के भीमपुरी गांव का है।पुलिस जांच में सामने आया कि 16 जुलाई 2020 की रात घर में खाना बनाने को लेकर रूपा और उसकी सास बिंदा के बीच कहासुनी हुई थी। बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में रूपा ने पास में रखी लोहे की फूंकनी उठाकर सास के सिर पर कई बार वार कर दिया। बिंदा को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

खैरागढ़ थाना पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर आरोपी बहू रूपा साहू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया था। पुलिस ने घटना स्थल से फूंकनी को जब्त कर सबूतों के साथ चालान अदालत में पेश किया।मामला अपर सत्र न्यायालय खैरागढ़ में चला। कोर्ट में 5 साल तक चली सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर अदालत ने रूपा साहू को दोषी माना। अब अदालत ने फैसला सुनाते हुए उसे उम्रकैद और 1000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पाकिस्तान को सबक सिखाकर रहेगा भारत, दुस्साहस का खामियाजा भुगतना पड़ेगा-सीएम

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंबई का कार्यक्रम रद्द कर रायपुर लौट आए हैं. एयरपोर्ट पर सीएम साय ने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर कहा, पाकिस्तान ने जो दुस्साहस किया है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा. कल उउर की बैठक में जो फैसला किया गया है, वो उनके मुंह पर तमाचा है. पाकिस्तान को हमारा देश सबक सिखाकर रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुंबई दौरे को लेकर कहा, 2 दिन का मुंबई प्रवास था पर जम्मू कश्मीर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के कारोबारी दिनेश दिवंगत हो गए. आज उनकी अंतिम यात्रा है इसलिए दौरा छोड़कर आ गए. उनके अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होंगे. उद्योग मंत्री मुंबई में मौजूद है. वे कर्यक्रम खत्म करके लौटेंगे. सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान को लेकर लिए गए 5 बड़े फैसलों को लेकर सीएम ने कहा, पिछले समय में भी पाकिस्तान द्वारा अटैक का करार जवाब दिया गया था, फिर भी पाकिस्तान बाज नहीं आया. जो दुःसाहस किया है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा.

पहलगाम आतंकी हमलाः कांग्रेस सरकार के साथ खड़ी, न्याय की माँग करती है!

नई दिल्ली। भारत माता के वीर सपूतों की शहादत को नमन!* पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले ने एक बार फिर देश को दहला दिया है। यह हमला न केवल हमारी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रहार है, बल्कि मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध भी है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है और सरकार के साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।

पाकिस्तान को चेतावनीः भारत एकजुट है! पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत की एकता कभी तोड़ी नहीं जा सकती। चाहे सरकार कोई भी हो, आतंकवाद के खिलाफ हम सभी भारतीय एक साथ हैं। कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करती है कि हम आतंकियों और उनके संरक्षकों को बख्शेंगे नहीं!* अगर पाकिस्तान ने अपनी आतंकी गतिविधियाँ नहीं रोकीं, तो भारत को जवाबी कार्रवाई का पूरा अधिकार है। न्याय की माँगः सख्त कार्रवाई हो!हम माँग करते हैं कि सरकारः आतंकियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कड़ी कार्रवाई करे। पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाए। शहीदों के परिवारों को तुरंत मुआवजा और सम्मान दिया जाए। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत हैः *₹हम सरकार की हर उस कार्रवाई का समर्थन करेंगे जो देश की सुरक्षा के लिए हो, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जवाबी हमला रणनीतिक और प्रभावी हो। देश की एकता ही हमारी ताकत! आज का दिन राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में सोचने का है। कांग्रेस पार्टी का संदेश स्पष्ट हैः हम सरकार के साथ हैं, लेकिन यह भी माँग करते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ कोई ढील नहीं दी जाए। शहीदों के खून से खेलने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना हम सभी का फर्ज है! धर्म के आधार पर आतंकयों ने जो घृनहित कार्य किया है. उसके लिए उन्हें तत्काल सजाए मौत देनी चाहिए. भारत की एकता और अखंडता हमेशा बरकरार रहेगी.

65 साल के बुजुर्ग ने आदमखोर तेंदुए से लड़कर पोते की बचाई जान , कलेक्टर ने किया सम्मानित

संवाददाता ● गरियाबंद

तेंदुए से बहादुरी से लड़कर अपने चार साल के पोते को मौत के मुंह से खींच लाने वाले 65 वर्षीय दर्शन नेताम को आज जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया. साथ ही, वढरउ 2024 में 273वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले अंकित थवानी को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया. दादा की डेयरिंगः घर से बच्चे को मुंह में दबाकर ले जा रहा था तेंदुआ,दादा ने जान पर खेलकर पोते की बचाई जानकोठीगांव निवासी दर्शन नेताम ने बीते मंगलवार को अपने पोते को तेंदुए के हमले से बचाया था. नलकूप में स्नान कर रहे दादा ने जैसे ही पोते को तेंदुआ

कहा- साहसी दादा शेर से कम नहीं

उठाकर ले जाते देखा, वे 100 मीटर तक तेंदुए के पीछे दौड़े और उस पर कूद पड़े. इस साहसिक प्रयास से तेंदुआ बच्चे को छोड़कर भाग गया. बच्चे की गर्दन पर तेंदुए के दांतों के निशान पाए गए हैं, लेकिन उसकी जान बच गई. इस अदम्य साहस के लिए कलेक्टर भगवानू उइके और डीएफओ लक्ष्मण सिंह ने दर्शन नेताम को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया. कलेक्टर ने उन्हें ह्लशेर से कम नहींह्व बताते हुए ग्रामीणों से वन क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने और हिंसक वन्य प्राणियों से दूरी बनाए रखने की अपील की है.

निलंबित अशोक पटेल 3 दिन की रिमांड पर

रायपुर। तेंदूपत्ता बोनस घोटाले मामले में अउइ-एडह की संयुक्त कार्रवाई जारी है. इस मामले में गिरफ्तार किए गए निलंबित डीएफओ अशोक पटेल को आज विशेष कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने अशोक पटेल को 26 अप्रैल तक तीन दिन की रिमांड पर सौंप दिया है.एसीबी/ईओडब्ल्यू (अउइ-एडह) की टीम ने निलंबित क्क्र अशोक पटेल को 17 अप्रैल को गिरफ्तार किया था. अब पूछताछ के लिए एडह ने कोर्ट से 30 अप्रैल तक की रिमांड की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने फिलहाल 26 अप्रैल तक की रिमांड मंजूर की है। आरोप है कि वर्ष 2021-22 में वन विभाग द्वारा तेंदूपत्ता बोनस वितरण के दौरान लगभग 7 करोड़ रुपये की आर्थिक अनियमितता हुई. यह राशि तेंदूपत्ता संग्राहकों को अप्रैल-मई 2022 में वितरित की जानी थी, लेकिन राशि के आहरण के बावजूद आदिवासी संग्राहकों को भुगतान नहीं किया गया. जब इस मामले की जानकारी पूर्व विधायक मनीष कुंजाम को हुई, तो उन्होंने जनवरी 2025 में कलेक्टर सुकमा और सीसीएफ को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की.

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला, करदाता ने गलती स्वीकार की तो नहीं लगेगा जुमार्ना

संवाददाता ● बिलासपुर

हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. उन्होंने साफ कहा है कि यदि कोई करदाता स्वेच्छा से अपनी त्रुटि को उजागर करता है और उसका कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं होता तो उस पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 271 (1) (सी) के तहत जुमार्ना नहीं लगाया जा सकता. यह धारा आमतौर पर आय छिपाने या गलत जानकारी देने पर लागू होती है.मामला छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड से जुड़ा है, जो एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है. कंपनी के कर विवरण की जांच आयकर अधिनियम की धारा 143(2) के तहत की जा रही थी. इस प्रक्रिया में कंपनी ने स्वेच्छा से यह जानकारी दी कि उसके द्वारा बहीखाता लाभ (बुक प्रोफिट) में गणना के दौरान 35,74,90,033 रुपये के स्थान पर 26,89,97,367 रुपए की जानकारी दर्ज की गई थी. यह अंतर अनजाने में डेटा फीडिंग की त्रुटि के कारण हुआ था. कर निर्धारण अधिकारी (एओ) ने इसे आय का गलत विवरण मानते हुए आयकर अधिनियम की धारा 271 (1) (सी) के तहत कंपनी पर जुमार्ना लगाया. उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने जानबूझकर कर से बचने का प्रयास किया है।

संत वचन

भारत भावुक, पाकिस्तान की नींद उड़ी...

कश्मीर घाटी में ऐसा संभवतः पहली बार हुआ है- धर्म पूछ-पूछ कर गोली मारना। नाम पूछकर गोली मारना। कलमा नहीं पढ़ पाने पर गोली मारनाङ्क इन दहशतगर्दों को कौन बताए कि सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है। और कुछ नहीं। कुछ भी नहीं। जम्मू-कश्मीर में इसके पहले भी आतंकी हमले होते रहे हैं, लेकिन आम लोगों पर बहुत कम। अब तक आतंकवादी वहां सरकार, व्यवस्था, फौजियों और अर्द्ध-सैनिक बलों पर ही हमले करते रहे हैं। हालांकि कोई फौजी शहीद हो या सिपाही या कोई सरकारी कर्मचारी, देश के लोग उसी तरह भावुक होते हैं जैसे आज हैं, लेकिन यह सच है कि पर्यटकों पर पहली बार इतना वीभत्स हमला किया गया है।

हमले के तुरंत बाद या दूसरे दिन से ही टीवी चैनल ऐसा बता रहे हैं जैसे भारत पाकिस्तान पर बस हमला करने ही वाला है। केवल एक मीटिंग की देर है। लेकिन ऐसा नहीं है। कूटनीतिक कार्रवाई पर विचार हो सकता है पर इसका मतलब हमला या सर्जिकल स्ट्राइक ही नहीं है। यह जरूर है कि इस नरसंहार के बाद पूरा राष्ट्र उद्वेलित है। भावुक है। अति संवेदनशील भी। वह चाहता है कि इस जघन्यता का बदला जरूर लेना चाहिए। तुरंत। अभी। हो सकता है ऐसा हो भी। लेकिन तुरंत नहीं। सरकार को अलग तरह से सोचना पड़ता है। हालात के तमाम प्लस-माइनस मापे जाते हैं। फिर कोई कार्रवाई या रणनीति बनाई जाती है। वही होगा भी।

दरअसल, कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद की शांति दहशतगर्दों और उनके आका पाकिस्तान को रास नहीं आ रही है। शांतिपूर्ण कश्मीर को देखकर उनके पेट में बल पड़ रहे हैं। सीधे कहा जाए तो धारा 370 का हटना भी उन्हें रास नहीं आ रहा है। वे इस पूरी प्रक्रिया को, इस पूरी व्यवस्था को ही पटरी से उतारने पर तुले हैं। लेकिन क्या इस सबके लिए इतना जघन्य नरसंहार कर डालेंगे? यह कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। पर्यटक- जिनमें कुछ नवविवाहित थे, कुछ अफसर अपने परिवार के साथ थे, किसी की मांग उजड़ी, किसी की गोद। पहलगाम की जन्नत को इन आतंकियों ने कुछ ही देर में मरघट में बदल दिया। सबके सब पर्यटक कलमा नहीं पढ़ पाने के कारण मार दिए गए? इस तरह के अपराधों की सभ्य समाज में कोई जगह नहीं हो सकती। कोई और किसी प्रकार की क्षमा भी नहीं। निश्चित ही दोषी आतंकवादियों और उनके मुखबिरों को ढूंढकर सजा दी ही जाएगी। लेकिन पाकिस्तान पर हमला या सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई की फिलहाल संभावना नहीं दिखाई देती। इसलिए कि इस बारे में सुरक्षा एजेंसियों से विस्तृत इनपुट लिया जाएगा। चूंकि यह अपनी तरह का पहला आतंकी हमला है इसलिए यह भी देखा जाएगा कि ये कोई ट्रैप तो नहीं है? कौन-कौन इस सब में शामिल हो सकते हैं? ये उकसावा कहीं चीन की तरफ से तो नहीं है? है तो किस हद तक? पाकिस्तान इसमें कितना और किस तरह शामिल है? यह सब विचार भारत सरकार करेगी और फिर तय किया जाएगा कि इससे निबटने के उपाय क्या हैं? कैसे हो सकते हैं? आदि। ये जरूर है कि कश्मीर में अब सख्ती बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। दहशतगर्दों को ढूंढ-ढूंढकर बाहर लाया जाएगा। अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। क्योंकि यह पहली बार है, जब इस आतंकी हमले के खिलाफ कश्मीर के कोने-कोने में भी प्रदर्शन हो रहे हैं और वहां के स्थानीय लोगों में हमलावरों के प्रति गुस्सा है। केवल जम्मू या श्रीनगर ही नहीं, गांदरबल और इसके जैसे कई दूरस्थ इलाकों में भी हमले के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं।

इसलिए कि इस बारे में सुरक्षा एजेंसियों से विस्तृत इनपुट लिया जाएगा। चूंकि यह अपनी तरह का पहला आतंकी हमला है इसलिए यह भी देखा जाएगा कि ये कोई ट्रैप तो नहीं है? कौन-कौन इस सब में शामिल हो सकते हैं? ये उकसावा कहीं चीन की तरफ से तो नहीं है? है तो किस हद तक? पाकिस्तान इसमें कितना और किस तरह शामिल है? यह सब विचार भारत सरकार करेगी और फिर तय किया जाएगा कि इससे निबटने के उपाय क्या हैं?

इसके पहले कश्मीर में जब भी प्रदर्शन या बंद होता था तो वो सरकार या व्यवस्था के खिलाफ हुआ करता था। इस हमले के बाद कश्मीरियों ने यह दिखाने की पूरी कोशिश की है कि वे अब यहां शांति चाहते हैं। आम लोगों पर इस तरह के हिंसक हमले का वे कतई समर्थन नहीं करते, बल्कि जमकर विरोध करना चाहते हैं। इन प्रदर्शनों को देखकर इस बार पाकिस्तान की नींद जरूर उड़ जाएगी। क्योंकि अब तक वह समझता रहा है कि कश्मीर के लोग दबे-छिपे ही सही, लेकिन उसके साथ हैं। अब दृश्य बदल चुका है। पाकिस्तान की नींद इसलिए भी उड़ जाने वाली है कि भारत सरकार इसका बदला लेने के लिए क्या कर सकती है, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।कश्मीर के लोगों ने बताया कि अब वे अमन चाहते हैं कश्मीरियों ने यह दिखाने की पूरी कोशिश की है कि वे अब यहां शांति चाहते हैं। आम लोगों पर इस तरह के हिंसक हमले का वे कतई समर्थन नहीं करते, बल्कि जमकर विरोध करना चाहते हैं। इससे पाकिस्तान की नींद उड़ जाएगी। मैग्डा की लाश भी अधजली थी। बाद में सोवियत सैनिक जब उनकी लाशों के पास पहुंचे, तो अधजली लाशों की पहचान करना कोई मुश्किल काम नहीं था।

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार

विपक्षी दलों के पास आज कोई बड़ा आइडिया नहीं है

अपने तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ की ओर बढ़ रहे नरेंद्र मोदी आत्मविश्वास से लबालब और बेहद आश्वस्त दिख रहे हैं। पिछले चुनाव में 240 सीटें पाने के बाद उनमें जो संशय और तनाव आपको दिख रहा होगा, वह दूर हो चुका है। हरियाणा और महाराष्ट्र में विजय के अलावा ह्यइंडियाह्न गठबंधन में बिखराव ने बेशक इस आत्मविश्वास में इजाफा किया है। लेकिन उनके इस आत्मविश्वास के पीछे और भी अधिक ठोस कारण यह है कि उन्हें चुनौती देने वालों में नए विचारों का अभाव है। आज कहीं पर कोई भी नहीं है- न कोई नेता, न कोई पार्टी और न कोई विचार- जो राष्ट्रीय राजनीति में खलबली पैदा कर पा रहा हो। मोदी के प्रतिद्वंद्वी पुराने विचारों से चिपके हैं। या तो वे मोदी से मात खा चुके हैं या मोदी ने उन्हें बेअसर कर दिया है या बदल दिया है। खुद को धोखे में न रखिए। मोदी 2029 में भी भाजपा का नेतृत्व करेंगे। तब उनकी उम्र उतनी ही होगी, जितनी आज ट्रम्प की है। अगर उनके प्रतिद्वंद्वी इस मुगालते में रहना चाहते हैं कि उनका समय खत्म होने वाला है और राहुल की उम्र उनकी मदद करेगी, तो वे मोदी-युग को नहीं समझ पाए हैं।

ऐसा लगता है कि उनके विरोधियों के पास मतदाताओं के लिए कोई बेहतर पेशकश नहीं है, कम-से-कम एक दिलचस्प और उत्साहित करने वाली पेशकश। अपनी शैली, विचारधारा या राजनीतिक सोच के बूते कोई भी बड़ी खलबली नहीं पैदा कर पा रहा है। वह बड़ी खलबली पैदा करने वाला ह्यआइडियाह्न क्या हो सकता है? यह वह सब तो हरगिज नहीं हो सकता, जो विपक्ष आज पेश कर रहा है। साम्प्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता का मुद्दा अब पुराना पड़ चुका है। अमीर बनाम गरीब की बहस में भी विपक्षी दल जीत नहीं सकते। क्योंकि मोदी की राजनीति उनकी राजनीति के मुकाबले ज्यादा गरीबोन्मुख दिखेगी। अदाणी-अम्बानी का ठप्पा उन पर चस्पा नहीं हो पाता, क्योंकि इसे सामने रखने वालों में आत्मविश्वास की कमी है। मोदी ने उनसे मनरेगा की जो गरीबवादी सीढ़ी उत्तराधिकार में हासिल की थी, उसके कई पायदान वे ऊपर चढ़ चुके हैं। आज 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है, उनके लिए आवास बनाए जा रहे हैं, शौचालय के लिए अनुदान दिए जा रहे हैं, किसानों को मुद्रा लोन के जरिए मदद दी जा रही है।गरीबों को आज जितना मिल रहा है, उतना पिछली किसी सरकार ने नहीं दिया था। क्या मुफ्त रेवड़ियां विपक्ष को आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं? वे ऐसा जो भी वादा करेंगे, मोदी उससे बेहतर पेशकश करेंगे। मोदी को चुनौती देने वालों को समझ जाना चाहिए था कि राजनीति को लेन-देनवाद में बदलने के क्या नतीजे हो सकते हैं। लेन-देन पर भरोसा करने वाला मतदाता वफादार नहीं होता। वह हमेशा उसका पक्ष लेगा, जो बड़ी बोली लगाएगा। विपक्ष मोदी से धर्म के मुद्दे पर नहीं लड़ सकता, चाहे वे कितने भी मंदिरों में मत्था टेकें या कलाई पर कितने भी धागे बांधें या कितने भी रंग की चादर ओढ़ें। और, राष्ट्रवाद? इसका तो भूलकर भी नाम न लें। मोदी के प्रतिद्वंद्वियों के लिए फिलहाल जाति एक पसंदीदा मुद्दा बना हुआ है। लेकिन जातीय जनगणना का पत्ता खेलकर कांग्रेस कुछ भी हासिल नहीं कर सकती। कांग्रेस जाति-जनगणना वाली पार्टी का चोला धारण करती हुई, और इसके जरिए सामाजिक न्याय दिलाने का वादा करती हुई ऐसी लगती है मानो झूठ बोल रही है। अगर किसी ने राहुल गांधी को समझा दिया है कि जाति-जनगणना ही वह रामबाण है, जो मोदी की गद्दी हिला सकता है, तो हम कहेंगे कि उन्हें बेहतर सलाहकारों की जरूरत है। 1969 के बाद से, भारतीय राजनीति में केवल तीन बड़े आइडिया उभरे : गरीबी हटाओ (इंदिरा गांधी का ठोस समाजवादी नारा); मंडल (सामाजिक न्याय का नारा); और मंदिर (हिंदुत्ववादी नारा)। अलग-अलग समय पर ये तीनों सफल रहे। अब चुनौती यह है कि इनमें से दो में सभी बड़ी पार्टियों की हिस्सेदारी है। हिंदुत्व पर भाजपा का एकाधिकार है। दूसरे दल (कांग्रेस के नेतृत्व में) जब समाजवाद और सामाजिक न्याय की बात करते हैं तब कोई उत्साहित नहीं होता। वे करीब 15 फीसदी मतदाता तो नहीं ही होते, जो पाला बदल सकते हैं। आंकड़ों से हमें पता है कि 20 फीसदी मतदाता कांग्रेस के साथ हैं और करीब 25 फीसदी भाजपा के साथ हैं।

एडिट.नोट

राजदीप सरदेसाई - लेखक

क्या वाकई जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य' हो गए थे?

जम्मू-कश्मीर को लेकर होने वाली चर्चाओं में एक शब्द बार-बार सामने आता है- ₹सामान्य हालात'। राजनेता और विश्लेषकगण अकसर दावा करते हैं कि अब घाटी में ₹सामान्य हालात' बहाल हो रहे हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि पिछले साढ़े तीन दशकों से कश्मीर में चाहे जो हालात रहे हों, वे ₹सामान्य' तो हरगिज नहीं थे। पहलगाम में हुआ आतंकी हमला हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि रक्तरंजित घाटी में हर बार जब उम्मीद की खिड़की खोली जाती है तो उसे दहशत के सौदागरों द्वारा फौरन बंद करा दिया जाता है। याद करें कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यनए कश्मीरह्न के बारे में एक सपना बुना था कि यह ह्यसामान्य हालातह्न की ओर एक बड़ा कदम है। वादा किया गया था कि कश्मीर में निवेश की बाढ़ आएगी, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास होगा और उसकी हसीन वादियों की रुपहले परदे पर भी वापसी हो जाएगी। वह तेजी से नए भारत में मुख्यधारा में शामिल हो जाएगा। ये सच है कि वहां पर नई सड़कें, राजमार्ग, सुरंगें बनाई गई हैं।

लेकिन ह्यसामान्य हालातह्न केवल बुनियादी ढांचे के ही आसरे नहीं होते। उन हालात को भला कैसे ह्यसामान्यह्न मान लिया जाए, जब देश के इकलौते मुस्लिम बहुल राज्य को रातों-रात एक फरमान द्वारा विभाजित करके केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है? जब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को हिरासत में लेकर उनके घर में नजरबंद कर दिया जाता है? जब हजारों कश्मीरियों को कठोर कानूनों के तहत गिरफ्तार करके जेल में ठूंस दिया जाता है? जब स्कूल महीनों तक बंद रहते हैं और इंटरनेट बंद होना आम बात हो जाती है? जब हजारों सुरक्षा बल घाटी के हर कोने में घूम रहे होते हैं? जब पाकिस्तान कश्मीर में हिंसा फैलाने के लिए युवाओं को प्रशिक्षण देना जारी रखता हो? सामान्य हालात का ढिंढोरा पिछले साल हुए चुनावों में तब भी बजाया गया था, जब लोकसभा तथा विधानसभा दोनों में पहले से अधिक मतदान हुआ। अलगाववादी समूहों द्वारा चुनावों के बहिष्कार और मतदाताओं पर दबाव बनाने का संकेत नहीं मिला। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस को शक्तिशाली भारतीय मशीनरी ने प्रभावी रूप से कमजोर कर दिया है।उमर अब्दुल्ला निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं, लेकिन यह सामान्य कैसे हो सकता है जब मुख्यमंत्री के पास लगभग कोई अधिकार नहीं हैं- अधिकारियों की नियुक्ति या तबादले के भी नहीं। यह सामान्य कैसे हो सकता है, जब एक अनिर्वाचित उपराज्यपाल- जिनका कश्मीर से कोई ताल्लुक नहीं है- को कानून-व्यवस्था के सभी अधिकार दे दिए गए हैं? जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बड़ी संख्या में इस उम्मीद में मतदान किया था कि वहां होने वाले चुनाव राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रस्तावना हैं।

लेकिन वह वादा अभी भी अधूरा है। ह्यसामान्य स्थिति के नैरेटिव को पर्यटन में उछाल ने भी मजबूत किया। श्रीनगर के बगीचों में ट्यूलिप खिल रहे थे, पीक-सीजन में डल झील पर शिकारे और हाउस-बोट ओवर-बुक्ड थे, पहलगाम में ट्रैकिंग और गुलमर्ग में स्कीइंग पर्यटकों को आकर्षित कर रही थी। नए होटलों की योजना बनाई जा रही थी। केंद्र ने भी जम्मू-कश्मीर को एक टूरिस्ट-फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा दिया था। श्रीनगर जी20 टूरिज्म समिट की मेजबानी कर रहा था। लेकिन टूरिज्म ही तो ह्यसामान्य हालात का संकेत नहीं होता।

केंद्र ने दावा किया कि हाल के वर्षों में आतंकी हमलों में मारे गए नागरिकों की संख्या में कमी आई है। लेकिन ये आंकड़े एक भयावह सच्चाई को छिपाते हैं। जहां सशस्त्र बलों और आतंकवादी समूहों के बीच मुठभेड़ें बेरोकटोक जारी रही हैं, वहीं पुंछ-राजौरी क्षेत्र के घने जंगलों में हमले नए सिरे से बढ़े हैं। यह कैसे सामान्य है कि आतंकवादी टारगेटेड-हमलों में लिप्त हैं? यह कैसे सामान्य है कि कश्मीरी पंडित अभी भी अपने घरों में वापस नहीं लौट पा रहे हैं? यह कैसे सामान्य है कि अमरनाथ यात्रा पर आतंकवादी हमले का खतरा हमेशा बना रहता है? पाकिस्तानी नेटवर्क द्वारा समर्थित इस्लामिक आतंकवादी इस क्षेत्र में अपनी हरकतों को अंजाम देना जारी रखे हुए हैं। पाकिस्तान लश्कर-मॉड्यूल को पनाह देना जारी रखे हुए है। हाल के वर्षों में ह्यहाइब्रिड' आतंकवादियों का उदय हुआ है, जो पाकिस्तानी आतंकवादियों और स्थानीय कश्मीरियों का मिश्रण हैं। यह कैसे सामान्य' है कि घाटी के नौजवान बेरोजगारी और ड्रग्स के खतरे के बीच गोला-बारूद में सांत्वना तलाशते हैं? सरकार सीमापार आतंकवाद को खत्म करने में विफल रही है।

बिजनेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने रचा नया कीर्तिमान

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

रायपुर। देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र ने बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)मंत्रालय के मार्गदर्शन में न केवल नई ऊँचाइयों को छुआ है, बल्कि करोड़ों ग्रामीणों के जीवन में भीनयी रोशनी का संचार किया है। पूज्य बापू की विरासत खादी अब केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के निर्माण का प्रतीक बन चुकी है।सोमवार को नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्तवर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए यह बातें अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्तवर्ष2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नये रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। बीते 11 वर्षों में बिक्री में 447 प्रतिशत, उत्पादन में 347 प्रतिशतऔररोजगार सृजन में 49.23 प्रतिशतकी बढ़ोत्तरी हुई है।बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 में वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69%और उत्पादन में 314.79% की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन नेवर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प कोसाकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय पूज्य बापू की प्रेरणा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी, एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन और देश के सुदूर गांवों में कार्यरतकरोड़ों कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। अध्यक्ष केवीआईसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2024-25में यह करीब चार गुना बढ़कर347 प्रतिशत के उछाल के साथ 116599.75 करोड़ रुपये पहुंच गया। जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154.19 करोड़ रुपये थी,वहीं करीब पांच गुना बढ़कर447प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2024-25 में 170551.37 करोड़ रुपये पहुंच गई, जोकि अब तक की सर्वाधिक बिक्री है।

पिछले 11 वर्षों में खादी कपड़ों के उत्पादन में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी कपड़ों का उत्पादन 811.08 करोड़ रुपये था वहीं 366 प्रतिशत उछाल के साथ यह साढ़े चार गुना बढ़करवित्त वर्ष 2024-25 में यह 3783.36 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया, जोकि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खादी कपड़ों की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां इसकी बिक्री सिर्फ 1081.04 करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में 561 प्रतिशत वृद्धि के साथ यहकरीब साढ़े छह गुना बढ़कर 7145.61 करोड़ रुपये पहुंच गई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बड़े मंच से खादी का प्रचार करने का व्यापक असर खादी के कपड़ों की बिक्री पर पड़ा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है।

इस क्षेत्र में भी केवीआईसी ने पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड कायम किया है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां संचयी रोजगार 1.30 करोड़ था, वहीं यह 2024-25 में 49.23 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.94करोड़तक पहुंच गया। खादी और ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्लीके कारोबार में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।वित्त वर्ष 2013-14 में यहां का कारोबार जहां 51.02 करोड़ रुपये था, वहीं यह करीब दोगुना बढ़कर 115 प्रतिशत के उछाल के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में 110.01 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना जब से शुरू हुई तब से लेकर अभी तक कुल 1018185 इकाइयों की स्थापना की गयी है, जिसके लिए भारत सरकार ने 73348.39 करोड़ रुपये ऋण के एवज में 27166.07 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण किया है। पीएमईजीपी के माध्यम से अभी तक 90,04,541 लोगों को रोजगार मिल रहा है।

ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने के उद्देश्य केवीआईसी ने वित्तवर्ष 2021-22 के 25.65 करोड़ रुपये के बजट में 134 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ इसे दो गुना से अधिककरते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में 60 करोड़ रुपये कर दिया है। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत अभी तक 39244 विद्युत चालित चाक, 227049 मधुमक्खी बॉक्स और मधु कालोनी, 2344 ऑटोमैटिक और पैडल चालित अगरबत्ती निर्माण मशीन, 7735 फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और रिपेयरिंग टूलकिट, 964 पेपर प्लेट और दोना निर्माण मशीन, 3494 एसी, मोबाइल, सिलाई, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर टूलकिट, 4555 टर्नवुड, वेस्टवुड क्रॉफ्ट, लकड़ी के खिलौने बनाने की मशीन के साथ ही 2367 पामगुड़, तेल घानी और इमली प्रसंस्करण मशीन का वितरण किया गया है।

पिछले तीन वित्त वर्ष की बात करें तो वर्ष 2022-23 में कुल 22284, वित्तवर्ष 2023-24 में 29854 और वित्तवर्ष 2024-25 में सबसे अधिक 37218 मशीन और उपकरणों का वितरण किया गया है। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत केवीआईसी ने अभी तक कुल 287752 मशीन, टूलकिट और उपकरणों का वितरण कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राज-काज

सरकार का एयरलाइंस को निर्देश ,श्रीनगर के लिए किराया न बढ़ाएं

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार सुरक्षा और पीड़ित पर्यटकों की मदद के लिए अलर्ट मोड पर है। इस बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को श्रीनगर हवाई मार्ग पर किराया न बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। वहीं इंडिगो और एयर इंडिया ने श्रीनगर से मुंबई और दिल्ली के लिए चार अतिरिक्त उड़ाने संचालित करने का एलान किया है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने टिकट रिशेड्यूलिंग और टिकट कैंसिलेशन चार्ज भी माफ कर दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ आपात बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी एयरलाइंस को श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में इजाफा न करने के सख्त निर्देश दिए। एयरलाइंस को नियमित किराया बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि इस मुश्किल समय में किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े।

लगातार 7 दिन की तेजी के बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 315 अंक नीचे 79,801 पर बंद

मुंबई। लगातार 7 दिन तेजी के बाद आज यानी गुरुवार, 24 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 315 अंक गिरकर 79,801 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,247 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में 4% से ज्यादा की गिरावट रही। इसके अलावा, जोमैटो, एयरटेल और क्ळक्ळकबैंक के शेयर 1% गिरकर बंद हुए। वहीं, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा के शेयर में 3.3% की गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट रही। ठरए के निफ्टी रियल्टी और ऋ्टउत्रॄ इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.41% तक की गिरावट रही। इसके अलावा, ऑटो, क्ळ और बैंकिंग में भी मामूली गिरावट रही।23 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 420 अंक (1.07%), नैस्डेक कंपोजिट 408अंक (2.50%) और र&ढ 500 इंडेक्स 88 अंक (1.67%) चढ़कर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 171 अंक (0.49%) ऊपर 35,244 पर बंद हुआ। कोरिया के कोस्पी में 3 अंक (0.13%) की गिरावट रही, ये 2,522 पर कारोबार कर रहा है।

चीन का शंघाई कंपोजिट में 0.028% की गिरावट रही, ये 3,297 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.74% की गिरावट रही, ये 21,910 पर बंद हुआ। 23 अप्रैल को विदेशी निवेशकों (ऋक्कर) ने 3,332.93 करोड़ के शेयर खरीदे। जबकि, भारतीय यानी घरेलू निवेशकों (उक्कर) ने 1,234.46 करोड़ रुपए के नेट शेयर बेचे। छक्ळ ने वित्त 1.78 करोड़ नई पॉलिसियां बेचीं, शेयर 0.74% गिरा

जीवन बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (छक्ळ) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए न्यू बिजनेस प्रीमियम में 2,26,669.91 करोड़ रुपए जुटाए। इसमें इंडिविजुअल न्यू बिजनेस से रिकॉर्ड 62,404.58 करोड़ रुपए शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 के लिए इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में साल दर साल आधार पर 8.35% की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 के लिए, ग्रुप प्रीमियम 0.40% गिरकर 1,64,265.34 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल 1,64,925.89 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 25 में, छक्ळ ने 1.78 करोड़ नई पॉलिसियां बेचीं। इंडिविजुअल प्रीमियम सेगमेंट में 10.75% की वृद्धि देखी गई।

शाम 4 बजे, जब सूरज अभी भी आसमान में ऊंचा लटका हुआ था, महिलाएं खाली बैरल, बर्तन और बाल्टियाँ लेकर बाहर निकलती हैं। वे कुंभले तक दो किलोमीटर पैदल चलती हैं, जहाँ एक कुआँ है जिसका जल स्तर थोड़ा बेहतर है - हालाँकि, यह भी तेजी से कम हो रहा है।

भाजपा नेता राय और व्यवसायी पर हुआ जानलेवा हमला

विरोध में नगर बंद, हाईवे जाम कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता ● बकस्वाहा

बकस्वाहा में बुधवार शाम भाजपा नेता व अधिवक्ता सीताराम राय और मेडिकल संचालक रामकुमार दुबे पर नकाबपोश हमलावरों ने लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। टहलने निकले दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले के विरोध में गुरुवार को बकस्वाहा में पूर्णता बाजार बंद और नेशनल हाईवे पर जाम ने जनजीवन को पूरी तरह ठप कर दिया।पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार शाम की है जब सीताराम राय और रामकुमार दुबे टहल रहे थे। अचानक नकाबपोश हमलावरों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमलावर मौके से फरार हो गए, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया।

जनप्रतिनिधियों का फूटा गुस्सा

हमले के विरोध में गुरुवार सुबह से ही बकस्वाहा में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। स्थानीय व्यापारी, जनप्रतिनिधि और समाज के लोग सड़कों पर उतर आए। नेशनल हाईवे पर घंटों जाम रहा, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। प्रदर्शन में क्षेत्रीय विधायक रामसिया भारती, पूर्व विधायक प्रदुम्न सिंह लोधी, भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। विधायक रामसिया भारती ने कहा, पुलिस की निष्क्रियता के कारण अपराधी बेखौफ हो रहे हैं। दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो।

ज्ञापन सौंपा, पुलिस पर दबाव

प्रदर्शन के बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी, अपराध नियंत्रण के लिए ठोस कदम, और थाना पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित करने की माँग की गई। साथ ही चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज होगा।

पुलिस की जाँच शुरु, तनाव बरकरार

पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सरवई थाना क्षेत्र का मामलाः जमीन को लेकर हुआ विवाद

भाजपा नेता पर हमला, चार आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर। सरवई थाना कस्बा में भाजपा नेता का रास्ता रोककर उसके ऊपर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना से लहूलुहान भाजपा नेता को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट में घायल भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य पति अवध किशोर मिश्रा ने बताया कि वह रोज की तरह चंदला रोड स्थित अपने मैरिज हाउस के निर्माण कार्य को देखने आए थे। मोटर साईकिल से जैसे ही मैरिज हाउस गेट के पास पहुंचे वैसे ही गांव के ही रमेश द्विवेदी ने राईफल बंदूक सीने में अड़ा दी और अवधेश द्विवेदी मुन्ना, रवि द्विवेदी, आशुतोष द्विवेदी, अबला द्विवेदी ने लोहे की रॉड से बेतहाशा मारपीट शुरू कर दी।

मिश्रा के मुताबिक सुरेश द्विवेदी भी घटना में मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि चूंकि पूर्व में कोई बुराई नहीं थी इसलिए उनके रोकते ही वह रूक गए जब तक कुछ समझ पाते कि उसके पहले उन्होंने हमला बोल दिया। पास में ही मौजूद बद्री मिश्रा दौड़कर आए और आरोपियों को ललकारा तभी लोग मौके से भाग गए। घटना सुबह की है। मिश्रा के मुताबिक बद्री के साथ वे थाने पहुंचे जहां घटना की सूचना दी। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया है।

जमीन पर जबरन कर रहे कब्जा

दूसरे पक्ष के सुरेश द्विवेदी का कहना है कि अवध मिश्रा के मैरिज हाउस के बगल में उनकी जमीन है। इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। हाईकोर्ट से उनके पक्ष में स्थगन आदेश है इसके बावजूद अवध मिश्रा अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सड़क से सटी इस जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। कब्जा करने की नियत से जमीन के हिस्से में बालू और गिट्टी डाली गई है। इसी बात को लेकर यह विवाद हुआ है। घटना के संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं थी न मैं मौके पर था मेरा नाम घसीटा जा रहा है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जिले के सभी धर्मगुरुओं ने ली शपथ

संवाददाता ● धार

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना अंतर्गत शासन निर्देशानुसार अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे है। जिसमें सामुदायिक बैठक, सोशल मीडिया जागरूकता अभियान शामिल है। उसी तारतम्य में गुरुवार को जिला कार्यालय, महिला एवं बाल विकास में सभी धर्मगुरुओं के साथ बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 एवं संशोधन 2022 के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि उक्त कार्यशाला में मुख्य रूप से आयु के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं है। आयु प्रमाण के लिए जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र ही मान्य है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत लड़की की आयु 18 वर्ष एवं लड़के की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। दोनों में से किसी एक की भी आयु कम है तो ऐसे विवाह बाल विवाह माना जाता है। विवाह हेतु समग्र आईडी भी महत्वपूर्ण दस्तावेज है एवं विवाह पश्चात समग्र आईडी को अपडेट कराना भी अनिवार्य है, तभी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल पाएगा। बाल विवाह रोकने हेतु अपने-अपने धर्मस्थल (प्रार्थना स्थल), सामुदायिक बैठकों में कम उम्र की विवाह को ना करने हेतु अपील की जाए। बाल विवाह की सूचना विभाग को या चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098 पर किसी भी व्यक्ति के द्वारा दी जा सकती है। बाल विवाह करवाने की स्थिति में जो भी व्यक्ति ऐसे विवाह में सहयोग करता है वह दोषी माना जाएगा एवं उस पर भी दो वर्ष का कारावास एवं राशि रुपए 1.00 लाख तक का जुर्माना भी है। कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह संपन्न कराता है, जैसे माता पिता, पंडित-मौलवी, धर्मगुरु, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ोसी, बैंड वाले, टेंट वाले, हलवाई, घोड़ी वाले, डीजे वाले, सभी दोषी माने जाएंगे। समस्त उपस्थित धर्मगुरुओं के साथ में बाल विवाह न करवाने एवं रोकथाम, जन जागरूकता लाने में सहयोग हेतु शपथ ली गई।

लापरवाह पर्यवेक्षकों की होगी विभागीय जांच

धार। महिला एवं बाल विकास की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों पर प्रतिमाह की 11 से 20 तारीख के बीच आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बच्चों में कुपोषण के स्तर को जानने के लिए वजन तथा उंचाई-लम्बाई का मापन किया जाता है। इस डाटा को भारत सरकार के पोषण ट्रेकर एप में दर्ज किया जाता है। विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों को देखने की जिम्मेदारी पर्यवेक्षक की तय की गई है। माह अप्रैल में 15 तारीख को वजन एवं प्रविष्ठि की स्थिति की समीक्षा जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जैन द्वारा मंगलवार को की गई। समीक्षा में जिले के 14 आंगनवाड़ी केन्द्र में एक भी बच्चे का वजन दर्ज होना नहीं पाया गया। कार्यालय द्वारा उन केन्द्रों की सेक्टर पर्यवेक्षकों को नोटिस दिया। कार्यकर्ता द्वारा वजन संबंधी एन्ट्री के सत्यापन हेतु परियोजना अधिकारियों के नेतृत्व में दल गठन कर कराया।

सौरभ और शरद जायसवाल की जमानत याचिका खारिज

संवाददाता ● भोपाल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोर्ट में गुरुवार को आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी शरद जायसवाल की जमानत याचिका खारिज हो गई। मामले में सौरभ की कंपनी अविरल फिशरिस भी केस में पार्टी है। कोर्ट ने कंपनी की भी जमानत रिजेक्ट कर दी गई है। विशेष न्यायाधीश सचिन कुमार घोष की अदालत में इस जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सौरभ शर्मा की मां और ईडी की टीम अदालत में मौजूद रहीं।

सौरभ की ओर से एडवोकेट दीपेश जोशी और सौरभ के सहयोगी शरद जायसवाल की ओर से अधिवक्ता रजनीश बरैया ने सोमवार को जमानत याचिका दायर की थी।

ईडी के वकील विक्रम सिंह ने सौरभ और शरद के कृत्य को गंभीर बताते हुए उनकी जमानत का विरोध किया था। वहीं, सौरभ के वकील दीपेश जोशी ने ईडी की कार्रवाई को काल्पनिक बताते हुए सभी आरोपों को गलत बताया और जमानत दिए जाने की मांग की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला गुरुवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

ईडी के पास सबूत नहीं: वकील

कोर्ट में एडवोकेट दीपेश जोशी ने बताया कि मेरे मुवक्किल सौरभ के खिलाफ ईडी के पास कोई सबूत नहीं है। दुबई का वीजा लेने के लिए उन्होंने दुबई की एक नामी कंस्ट्रक्शन कंपनी के ब्रोशर का इस्तेमाल किया था। इसी ब्रोशर के आधार पर सौरभ को 150 करोड़ रुपए के विला का मालिक बताया। जबकि विला कहां है और कौन-सा है, इस बारे में ईडी के पास कोई प्रमाण नहीं है। सोने और कैश से भरी जिस कार को सौरभ की बताया जा रहा है, वह उनके नाम पर पंजीकृत ही नहीं है। मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर मेरे मुवक्किल को जेल में रखा है, जबकि हमें लोकायुक्त से जमानत मिल चुकी है।

धार कलेक्टर ने दिए दिशा-निर्देश

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं : मिश्रा

संवाददाता ● धार

जिले में अलग-अलग विभागों के बहुत से निर्माण कार्य प्रचलित हैं, जिनकी पूर्णता से जिले में विकास को गति मिलेगी तथा आम जनता को बेहतर सुविधा मिलेगी। इन सभी कार्यों में उच्च गुणवत्ता और समय सीमा में पूर्ण करें। सभी निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण किया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने निर्माण कार्यों की समीक्षा में संबंधित अधिकारियों को दिए गए। पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण शीघ्र करवाने हेतु भी बैठक में निर्देशित किया गया। मिश्रा ने राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी मुख्य सड़कों पर अनाधिकृत कट कड़ाई से बंद करने हेतु निर्देश दिए,साथ ही सड़कों पर उचित संकेतक लगाने, माछलिया घाट की चट्टानों पर वॉल पेंटिंग करने हेतु भी एनएचआई के अधिकारियों को निर्देशित किया। गर्मी को देखते हुए यात्री प्रतिक्षालयों में प्याऊ की व्यवस्था करने हेतु भी एजेंसियों को आदेशित किया गया।

आगामी सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए मांगोद में चार्जिंग स्टेशन के साथ विश्राम गृह बनाने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए। मिश्रा ने वर्षा ऋतु से पूर्व जनसुविधा के कार्यों को प्राथमिकता से करने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में संयुक्त कलेक्टर शाश्वत शर्मा सहित रेलवे, एनएचआई, मप्र सड़क विकास निगम, लोक निर्माण, पीआईयू, हाउसिंग बोर्ड, पीएमजीएसवाय, जनजातीय विभाग, जल निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

मालेगांव केस में एनआईए ने कोर्ट में पेश की दलीलें

प्रज्ञा ठाकुर सहित 7 आरोपियों के खिलाफ 8 मई को आएगा फैसला

संवाददाता ● भोपाल

साल 2008 के मालेगांव बम धमाके के आरोपों से घिरी भोपाल से बीजेपी की सांसद रहीं प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सात आरोपियों को एनआईए ने मुंबई के स्पेशल कोर्ट से 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16 के तहत सजा देने का अनुरोध किया है।

एनआईए की मांग: अपराध के अनुपात में उचित सजा दी जाए

एनआईए ने अपनी लिखित दलीलों में ये उल्लेख किया है कि जिस तरह का अपराध किया गया था। उसके अनुपात में आरोपियों को सजा दी जाए। इस केस में प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ यूए(पी) के सेक्शन 16 और 18 और आईपीसी की धारा 120 बी, 302, 307, 324, 326 और 427 के मामले दर्ज किए थे।

एनआईए ने आखिरी दलील दायर

17 साल पुराने बम धमाके में छह मुस्लिम मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। मामले की दलीलें पूरी होने के बाद एनआईए की आखिरी लिखित दलील दायर की है। एनआईए द्वारा दायर की गई इस दलील में करीब डेढ़ हजार पेज हैं। हालांकि, कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जज एके लाहोटी 8 मई को अपना फैसला सुनाएंगे।

प्रज्ञा ठाकुर पर धमाके की साजिश रचने के आरोप

मामले में साध्वी प्रज्ञा, कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, स्वामी दयानंद पांडे और सुधाकर चतुर्वेदी पर हिंदुत्व विचारधारा से जुड़ी एक व्यापक साजिश के तहत विस्फोट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है।

32 ने बदल दिए थे बयान

पहले एनआईए की ओर से कहा गया था कि उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं हैं। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने अदालत से किसी भी तरह की नरमी न बरतने का आग्रह किया है। जबकि 323 गवाहों में से 32 ने कथित तौर पर दबाव में आकर अपने बयान वापस ले लिए। एनआईए ने अपने नए सबमिशन में तर्क दिया- बहिष्कृत गवाहों को विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है। उनके देर से मुकरने से आरोपियों को कोई लाभ नहीं होना चाहिए।

सितंबर, 2008 का मालेगांव विस्फोट उन पहली आतंकी घटनाओं में से एक था, जिसमें दक्षिणपंथी हिंदुत्व समूहों को संदिग्ध के तौर पर नामित किया गया था। महाराष्ट्र एटीएस की शुरुआती जांच में साध्वी प्रज्ञा को मुख्य आरोपी माना गया था, लेकिन बाद में NIA ने उनसे पूछताछ करने में आनाकानी की।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलेगा। इसके तहत नगर पालिका परिषद धार द्वारा गुरुवार को झिरन्या अखाड़े के सामने स्थित झिरन्या बावड़ी का विशेष साफ-सफाई अभियान व श्रमदान किया गया। बावड़ी से गीले पत्ते, कचरा, सूखी लकड़ी एवं कूड़ा करकट निकाला गया व बावड़ी की साफ-सफाई की गई। इस मौके पर नेहा महेश बोडाने अध्यक्ष नगर पालिका धार, सुमित्रा चन्दू वसुनिया, छगन परमार, अनिता विशाल सिसोदिया पार्षदगण व नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारीगण ने उपस्थित होकर झिरन्या बावड़ी की सफाई की गई।

'देवारण्य योजना' के तहत स्व-सहायता समूहों को 'स्टीविया' औषधीय खेती पर प्रशिक्षण दिया

धार। मप्र राज्य औषधि पादप बोर्ड, आयुष विभाग भोपाल के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. रमेशचंद्र मुवेल के नेतृत्व में जिले के सभी ब्लाकों में 'देवारण्य योजना' के अंतर्गत 'एक जिला एक औषधि' अभियान को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को औषधीय पौधों की खेती, विशेषकर 'स्टीविया' के वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष पद्धति को प्रोत्साहित करना, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना और औषधीय पौधों की सतत खेती को बढ़ावा देना है।

डॉ. मुवेल ने बताया कि ''स्टीविया'' एक प्राकृतिक मीठा औषधीय पौधा है, जिसका उपयोग मधुमेह जैसे रोगों में लाभकारी माना जाता है। इसकी खेती किसानों और समूहों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभकारी हो सकती है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल औषधीय कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा।

बिजावर एवं बड़ामलहरा क्षेत्र का किया दौरा

कलेक्टर ने जल निगम एवं जल गंगा संवर्धन कार्यों का किया निरीक्षण

संवाददाता ● छतरपुर

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बिजावर एवं बड़ामलहरा क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान, जल जीवन मिशन के कार्यों एवं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। बिजावर क्षेत्र अंतर्गत कलेक्टर जैसवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे तालाबों के जीर्णोद्धार में पंचायत अनगौर में कुंवरपुरा तालाब एवं तेली तालाब का निरीक्षण किया। कलेक्टर जैसवाल ने कुंवरपुरा तालाब में लगी हुई लेबर, जीर्णोद्धार के कार्यों की जानकारी लेते हुए कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही गांवों में लगे हुए हैंडपंपों एवं नल जल कनेक्शन के बारे में जानकारी ली। जिसमें जनपद सीईओ को मरम्मत कार्य कराने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कलेक्टर ने कपिलधारा के कामों को भी लेते हुए कराए जाने के निर्देश दिए। जिसमें कुएं निर्माण आदि कार्य कराने के निर्देश दिए।

साथ ही कलेक्टर ने ग्रामीणों से बात कर गेहूं को उपार्जन केंद्रों में बेचने, पानी की समस्या आदि की जानकारी लेते हुए पीएचई को तालाबों के मरम्मत, अतिरिक्त बोर कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही और कुएं सैंक्शन कराने, खेत तालाब के कार्यों को लेने के लिए किसानो को प्रेरित करने के लिए कहा। कलेक्टर ने जनपद सीईओ को पौधरोपण के लिए जगह चिन्हित कर नर्सरी आदि विकसित करने के लिए समूह को देने के लिए कहा।

उपार्जन केंद्र पर तौल कराने पर पाई गई कम

कलेक्टर ने गुलगंज खरीदी केंद्र का निरीक्षण करते हुए उपार्जन केंद्र में स्लॉट बुकिंग, किसानों के भुगतान, गेहूं के परिवहन, मजदूरों आदि की जानकारी ली। इस दौरान फटे बारदानों में गेहूं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही केंद्र पर समक्ष में तौल कराई इसमें कम तौल होने पर, क्वालिटी एफएक्यू नहीं होने पर समिति प्रबंधक को नोटिस एवं डीएम नान को वरदानों के अभाव के कारण एवं खरीदी बंद होने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सचिव और रोजगार सहायक पर कार्यवाही के निर्देश

कलेक्टर ने ग्राम वार्ता कर भरतौली में जल गंगा संवर्धन के कार्य प्रारंभ न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए रोजगार सहायक को छतरपुर अटैच करने एवं सचिव पर निलंबन की कार्यवाही का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।बिजावर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान दौरान एसडीएम बिजावर विजय द्विवेदी, तहसीलदार अभिनव शर्मा, जल निगम महाप्रबंधक एलएल तिवारी, डीएसओ सीताराम कोठारे, सीईओ अंजना नागर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

अब भूतनी बन डराएंगी मौनी रॉय

मौनी ने टीवी सीरियल से अपने करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे बड़े पर्दे पर भी अपनी जगह बनाई। आइए, जानते हैं कि मौनी अब तक किन-किन किरदारों में नजर आईं।

इन दिनों मौनी रॉय अपनी आगामी भूतिया फिल्म 'द भूतनी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी ने अपनी शानदार एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों का दिल जीता है। अब मौनी फिल्म 'द भूतनी' में भूतनी बनकर डराने वाली है।

'द भूतनी' एक आगामी हॉरर फिल्म है। जिसे सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है। फिल्म में मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म का नाम 'द वर्जिन ट्री' रखा गया था, लेकिन अब फिल्म का नाम 'द भूतनी' है।

पाकिस्तानी एक्टर फवाद की 'अबीर गुलाल' भारत में बैन

फवाद खान की अपकमिंग फिल्म अबीर गुलाल निशाने पर आ गई है। उनकी इस फिल्म को भारत में रिलीज करने पर विरोध हो रहा था। बैन करने की मांग की जा रही थी। इसी बीच अब सरकार ने फवाद की फिल्म को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अबीर गुलाल अब भारत में रिलीज नहीं होगी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान अभिनीत फिल्म 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा।

बता दें, इससे पहले फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर 'अबीर गुलाल' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही थी, लेकिन आतंकवादी हमले के बाद इसके विरोध और बहिष्कार की मांग तेज हो गई थी। सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि ऐसे समय में जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से देश को नुकसान पहुंच रहा है, उस समय किसी पाकिस्तानी कलाकार की फिल्म को भारत में प्रमोट करना उचित नहीं है।

ब्रेस्ट कैंसर से जंग जीतने के बाद दिखेगा ताहिरा का 3.0 संस्करण, लिखा-

पिक्चर बाकी मेरे दोस्त..?

ब्रेस्ट कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जीत हासिल करने के बाद आज ताहिरा कश्यप ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन के अलावा काम पर लोटने की जानकारी दी है।

ताहिरा कश्यप ने हाल ही में बताया कि उनका स्तन कैंसर दोबारा लौट आया है। इसके बावजूद, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने जीवन के नए अध्याय को 'ताहिरा 3.0' का नाम देकर काम पर वापसी की है। 24 अप्रैल को, ताहिरा ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया, जिसके कैप्शन में लिखा, 'लाइफ अपडेट', जिसमें उन्होंने ब्रह्मांड और भगवान का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने उन्हें खुद को बेहतर बनाने का मौका दिया। उन्होंने अपनी लैपटॉप स्क्रीन की तस्वीर शेयर की, जिसमें लिखा था कि वह फिर से स्क्रिप्ट लिखने के लिए तैयार हैं। ताहिरा ने लिखा, 'चुनौतियों और आशीर्वादों के लिए धन्यवाद। अगर ये मुश्किलें न होतीं, तो मैं प्यार को समझ न पाती। मुझे बेहतर बनने का मौका देने के लिए शुक्रिया।' उन्होंने खुशी जताई कि वह वापस काम और जिंदगी की भागदौड़ में लौट आई हैं।ताहिरा को पहली बार 2018 में स्टेज जीरो स्तन कैंसर हुआ था। उनकी सकारात्मकता और हिम्मत हर किसी के लिए प्रेरणा है। ताहिरा के पति आयुष्मान खुराना के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने ताहिरा की पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी के साथ उनका हौसला बढ़ाया है। 7 अप्रैल को ताहिरा ने बताया था कि नियमित जांच के कारण उनके कैंसर का दोबारा पता चला।

स्टंट डबल करने वाले हैरिस का बयान

बॉलीवुड हमसे बदतर

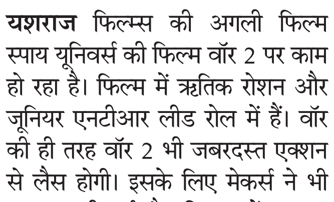

यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म स्पाय यूनिवर्स की फिल्म वॉर 2 पर काम हो रहा है। फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर लीड रोल में हैं। वॉर की ही तरह वॉर 2 भी जबरदस्त एक्शन से लैस होगी। इसके लिए मेकर्स ने भी कमर कसी हुई है। फिल्म में एक्शन सीक्वेंस के लिए साउथ बॉडी डबल इश्वर हैरिस को अप्रोच किया गया था।

हैरिस पहले जूनियर एनटीआर के बॉडी डबल का काम कर चुके हैं। उन्होंने राजामौली की फिल्म RRR में जूनियर एनटीआर के लिए स्टंट परफॉर्म किए थे। लेकिन उन्होंने वॉर 2 में काम करने से मना कर दिया है। साथ ही उन्होंने बॉलीवुड पर कई आरोप भी लगाए हैं।

एक चैनल से बात करते हुए हैरिस ने कहा कि कुछ दिनों पहले मुझसे वॉर 2 में काम करने के लिए पूछा गया। लेकिन मैंने इस फिल्म के लिए मना कर दिया। क्योंकिं मुझे पैसा बहुत कम मिल रहा था। टीम ने मुझसे कहा कि जितनी जल्दी हो फ्लाइट लेकर मुंबई पहुंच जाऊं। लेकिन उनकी तरफ से जो पैसा ऑफर किया गया, वो इतना कम था कि मेरे फ्लाइट का खर्चा भी नहीं निकल पाता। हैरिस ने आगे कहा, बॉलीवुड हमसे भी बदतर है। तेलुगु इंडस्ट्री में मुझे उससे ज्यादा बेहतर पैसे मिलते हैं। जब आपके पास बजट बड़ा होता है तो पेमेंट भी आपको अच्छी करनी चाहिए। तीन दिन के काम के लिए मुझे बुलाया गया था। जिसे मैंने ठुकरा दिया।

'मां बहन' में माधुरी संग दिखेगी

तृप्ति डिमरी

एक बार फिर तृप्ति धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी,विक्रम मल्होत्रा के प्रोडक्शन बैनर अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट के लिए एक कॉमेडी ड्रामा में स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी, जिसका नाम फिलहाल 'मां बहन' बताया जा रहा है। यह एक नेटफ्लिक्स ओरिजिनल है और अगले महीने मुंबई में फ्लोर पर जाएगी।

इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं, जिन्हें तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। यह फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो तीन किरदार पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी, जो एक मां और बेटी के रिश्ते को पर आधारित है। माधुरी जहां मां के किरदार में दिखाई देंगी, वहीं तृप्ति उनकी बेटी का रोल निभाएंगी। दोनों के बीच की नोक-झोंक, प्यार, तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी।खबरें हैं कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका होगी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

एजेंसी ● हैदराबाद

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ कोई द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेलेगा। भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। भारत आखिरी बार 2008 में पाकिस्तान गया था। दोनों टीमें केवल एक दूसरे का सामना आईसीसी या फिर एसीसी टूनार्मेंट्स के दौरान ही करती हैं। पाकिस्तान पिछली बार वनडे विश्व कप 2023 के लिए भारत आया था। हालांकि, भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था और टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में आयोजित किए गए थे।राजीव शुक्ला ने स्पोर्ट्स तक से कहा, 'हम पीड़ितों के साथ हैं और हम इसकी निंदा करते हैं। हमारी सरकार जो कहेगी हम करेंगे। हम सरकार के रुख के कारण पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलते हैं। हम आगे भी पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मैचों में नहीं खेलेंगे। लेकिन जब आईसीसी प्रतियोगिता की बात आती है तो हम आईसीसी की व्यस्तताओं के कारण खेलते हैं। जो हो रहा वो आईसीसी को भी पता है और उम्मीद है वह भी साथ देंगे।'

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया था। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट समुदाय पहलगाम में भयावह आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की दुखद मौत से बहुत स्तब्ध और दुखी है। बीसीसीआई इस वीभत्स और कायराना कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करता है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। उनके दुख और दर्द को साझा करने के लिए हम दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े हैं।'

मुंबई-हैदराबाद मैच में मौन रखा गया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच आईपीएल मैच नंबर 41 के दौरान पहलगाम में आतंकी हमले में मरने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी थी। इस आतंकी हमले में दो विदेशी नागरिक समते 26 लोगों की मौत हुई थी। मैच शुरू होने से पहले 60 सेकेंड का मौन रखा गया था। दर्शकों को इस मौन में साथ देने के लिए कहा गया था।

कप्तानों ने भी की थी निंदा

टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने अपनी संवेदना व्यक्त की और इस जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा की। पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों, कमेंटेटर और सहयोगी स्टाफ ने बांह पर काली पट्टी बांधी थी। बीसीसीआई ने भी बिना किसी धूमधाम के मैच आयोजित करने का फैसला किया था। किसी चीयरलीडर ने मैच के दौरान प्रदर्शन नहीं किया। साथ ही जश्न के लिए आतिशबाजी का भी प्रयोग नहीं हुआ। संगीत या डीजे की भी व्यवस्था नहीं की गई थी।

रोहित का लगातार दूसरा पचासा

ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती मुंबई इंडियंस अंक तालिका में हुआ बड़ा बदलाव

एजेंसी ● हैदराबाद

ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन की 71 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 143 रन बनाए। जवाब में पांच बार की विजेता टीम ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 146 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हैदराबाद के लिए जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी ने एक-एक विकेट लिया।मुंबई लगातार चौथी जीत के साथ अंक तालिका में 10 अंक और 0.673 के नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद आठ में छह मैच गंवाकर नौवें स्थान पर है। अब मुंबई का सामना 27 अप्रैल यानी रविवार को लखनऊ से होगा। इस मैच में जीत के साथ हार्दिक पांड्या की टीम स्थिति मजबूत करने उतरेगी।

144 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई को जयदेव उनादकट ने पहला झटका दिया था। उन्होंने रेयान रिकेल्टन को आउट किया। वह सिर्फ 11 रन बना सके। इसके बाद मोर्चा रोहित शर्मा और विल जैक्स ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 64 रन की साझेदारी हुई, जिसे जीशान अंसारी ने तोड़ा। उन्होंने जैक्स को अभिनव मनोहर के हाथों कैच कराया। वह दो चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित शर्मा को सूर्यकुमार यादव का साथ मिला। दोनों ने 32 गेंदों में 53 रन जोड़े और जीत सुनिश्चित की।

रोहित का बल्ला फिर गरजा

हिटमैन इस मैच में एक बार फिर अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब हुए। उन्होंने 46 गेंदों में 70 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 35 गेंदों में अर्धशतक आया। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में रोहित ने 152.17 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और दो चौके व एक छक्का लगाया। वहीं, सूर्यकुमार यादव 40 और तिलक वर्मा दो रन बनाकर नाबाद रहे।

क्लासेन और अभिनव के अलावा नहीं चला कोई बल्लेबाज

हेनरिक क्लासेन (71) और अभिनव मनोहर (43) की 99 रनों की विशाल साझेदारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई के सामने 144 रन का लक्ष्य रखा। इस मैच में हैदराबाद की शुरूआत खराब हुई। 20 से कम के स्कोर पर टीम ने अपने चार विकेट गंवा दिए। ट्रेविस हेड (0), अभिषेक शर्मा (8), ईशान किशन (1) और नीतीश रेड्डी (2) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इसके बाद मोर्चा हेनरिक क्लासेन और अभिनव मनोहर ने संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 99 रन की विशाल साझेदारी हुई। क्लासेन ने 34 गेंदों में इस आईपीएल का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। वह 44 गेंदों में 71 रन का निजी स्कोर बनाने में कामयाब हुए। वहीं, इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए अभिनव मनोहर ने 37 गेंदों का सामना किया और दो चौके व तीन छक्के की मदद से 43 रन बनाए। अनिकेत वर्मा ने 12, पैट कमिंस ने एक और हर्षल पटेल ने एक* रन बनाया। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने चार विकेट लिए जबकि दीपक चाहर को दो विकेट मिले। वहीं, बुमराह ने एक सफलता अपने नाम की।

केएल राहुल ने आईपीएल में 'हमने परिस्थितियों का सही आकलन नहीं किया', मुंबई के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद बोले कोच विटोरी

हैदराबाद। आईपीएल 2025 में बुधवार को मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को उसके घर में हरा दिया। हार से नाखुश सनराइजर्स के कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि शीर्ष क्रम का नाटकीय अंदाज में आउट होना और पिच का गलत आकलन करने से उनकी टीम को हार मिली है।सनराइजर्स के चार विकेट एक वक्त 24 रन पर गिर गए थे। हेनरिक क्लासेन (71) और अभिनव मनोहर (43) के बीच 99 रन की साझेदारी के बावजूद उसकी टीम आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी। विटोरी ने मैच के बाद कहा, 'टॉस महत्वपूर्ण था। हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। विकेट उससे अलग था जो हमने पहले देखा था और जब हमने 250 से 280 रन बनने की संभावना पर चर्चा की थी, लेकिन इसके बाद स्थितियां नाटकीय रूप से बदल गई और हम उनसे सामंजस्य नहीं बिठा पाए।'उन्होंने कहा, 'जब हमने पहले दो ओवर खेल लिए तब हमें लगा कि यह विकेट वैसा नहीं है जिसमें 250 से अधिक रन बने जैसा कि पिछले कुछ मैच में होता रहा है। इसलिए हमारी पूरी रणनीति बदल गई।' विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति पावरप्ले का पूरा उपयोग करने की थी, लेकिन जल्द ही उनकी यह रणनीति नाकाम हो गई। रोहित शर्मा (70) के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है जिसके बाद टीम अंकतालिका में छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के आठ विकेट पर 143 रन के जवाब में मुंबई ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाए। रोहित ने 46 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 70 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंद में नाबाद 40 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। रोहित ने तीसरे ओवर में पैट कमिंस की आफ कटर पर डीप स्कवेयर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेल रहे रोहित ने हालात को बखूबी पढ़ा और उसके अनुसार खेला। उन्होंने जयदेव उनादकट को कवर के ऊपर दूसरा छक्का लगाया।

'मुंबई को छठा खिताब दिलाने में...', लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले रोहित की इस कीवी स्टार ने की तारीफ

एजेंसी ● मुंबई

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि रोहित विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और टीम को रिकॉर्ड छठा आईपीएल खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। बोल्ट ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार विकेट लेकर मुंबई इंडियंस की लगातार चौथी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिया गया।सनराइजर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोकने के बाद रोहित के 46 गेंद में 70 रन की मदद से मुंबई ने 15.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। बोल्ट ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुंबई की पूरी टीम में विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और रोहित को परिचय की कोई जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हर कोई टीम की जीत में योगदान देना चाहता है, लेकिन रोहित पिछले कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह सत्र के बाकी मैचों में हमारे लिए बड़ी भूमिका निभाएंगे।'

बोल्ट ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'हार्दिक जुनूनी क्रिकेटर है और काफी प्रतिभावान भी। वह बेहतरीन कप्तान है और मोर्चे से अगुवाई करता है।' उन्होंने कहा, 'वह मेरे पसंदीदा भारतीय क्रिकेटरों में से है लिहाजा उसकी कप्तानी में खेलना शानदार अनुभव है।' पहले पांच में से चार मैच हारने के बाद मुंबई ने लगातार चार जीत दर्ज करके प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी है लेकिन बोल्ट ज्यादा आगे की नहीं सोच रहे।

उन्होंने कहा, 'शुरूआत में हम लय हासिल नहीं कर सके थे लेकिन लगातार चार जीत के बाद हमने वह कमी पूरी कर दी । हमारी टीम अच्छा खेल रही है और इसे कायम रखना चाहेंगे । ज्यादा आगे की नहीं सोच रहे क्योंकि हालात बदलने में देर नहीं लगती ।अभी टूनार्मेंट में काफी क्रिकेट बाकी है।'रोहित शर्मा (70) के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है जिसके बाद टीम अंकतालिका में छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के आठ विकेट पर 143 रन के जवाब में मुंबई ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाए। रोहित ने 46 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 70 रन की पारी खेली।

सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंद में नाबाद 40 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। रोहित ने तीसरे ओवर में पैट कमिंस की आफ कटर पर डीप स्कवेयर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेल रहे रोहित ने हालात को बखूबी पढ़ा और उसके अनुसार खेला। उन्होंने जयदेव उनादकट को कवर के ऊपर दूसरा छक्का लगाया। इससे पहले हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरूआत से उबरते हुए आठ विकेट पर 143 रन बनाए।

'क्या हासिल हुआ?', पहलगाम हमले पर फूटा सुनील गावस्कर का गुस्सा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने आतंकियों की कायराना हरकत पर नाराजगी जताई और उनसे कई सवाल पूछे। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा से कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलता है। उन्होंने देश की बेहतरी के लिए शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान

उन्होंने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा- मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। इसने हम सभी भारतीयों को प्रभावित किया है। मैं बस सभी अपराधियों और उनका समर्थन करने वाले सभी लोगों - आतंकवादियों, उनके आकाओं से एक सवाल पूछना चाहता हूं - इस सारी लड़ाई से क्या हासिल हुआ है? उन्होंने आगे कहा- पिछले 78 वर्षों में एक मिलीमीटर जमीन भी हाथों-हाथ नहीं बदली है, है न? इसलिए अगले 78,000 वर्षों तक और उसके बाद के सभी वर्षों तक कुछ भी नहीं बदलने वाला है। तो क्यों न हम शांति से रहें और अपने देश को मजबूत बनाएं? यही मेरी अपील है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट ह्यमिनी स्विटरलैंडह्न नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। पहलगाम हमले के संबंध में अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

'अगले क्रिस गेल बन सकते हैं अर्जुन, बस करना होगा यह काम', योगराज सिंह ने बताया कैसे

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में अर्जुन तेंदुलकर को अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। उन्हें मुंबई इंडियंस की टीम ने मेगा नीलामी में 30 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। साल 2023 और पिछले साल जरूर अर्जुन को खेलने का मौका मिला था, लेकिन इस साल उन्हें प्लेइंग-11 से दूर रखा गया है। इसी कड़ी में युवराज सिंह के पिता और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अर्जुन अगले क्रिस गेल बन सकते हैं, लेकिन उन्हें गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा। योगराज अर्जुन को ट्रेनिंग भी दे चुके हैं, लेकिन किसी विवाद की वजह से सचिन ने योगराज की ट्रेनिंग अकादमी से अर्जुन को वापस बुला लिया था। इसका योगराज कई बार जिक्र भी कर चुके हैं।योगराज ने अर्जुन को तब ट्रेनिंग दी थी, जब उन्होंने मुंबई से स्विच करके गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने का फैसला किया था। योगराज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि अगर युवराज उन्हें ट्रेनिंग देने का फैसला करते हैं और उनकी बल्लेबाजी कौशल पर काम करने का फैसला करते हैं, तो अर्जुन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अगले 'क्रिस गेल' बन सकते हैं।योगराज ने 'क्रिकेट नेक्स्ट' से कहा, 'अर्जुन को लेकर मैंने कहा कि उन्हें गेंदबाजी पर कम और बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान लगाओ, लेकिन अगर युवराज सचिन के बेटे को तीन महीने के लिए अपने प्रशिक्षण में लेते हैं, तो मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि वह अगले क्रिस गेल बन जाएंगे। अक्सर ऐसा होता है कि तेज गेंदबाज अगर स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरता है तो प्रभावी ढंग से गेंदबाजी नहीं कर पाता है। मुझे लगता है कि अर्जुन को कुछ समय के लिए युवराज को सौंप देना चाहिए।'अर्जुन आईपीएल में पांच मैच खेल चुके हैं। इस में उन्होंने तीन विकेट लिए हैं। नौ रन देकर एक विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

पाकिस्तानी क्रिकेटरों का दोहरा चरित्र! विश्व कप में फलस्तीन का किया था समर्थन, लेकिन पहलगाम हमले पर कोई पोस्ट नहीं

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकी हमले की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। हर कोई आतंकियों की इस कायराना हरकत पर आक्रोश व्यक्त कर रहा है। इस हमले में 26 मासूमों की जान चली गई। इनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल रहे। हालांकि, 2023 वनडे विश्व कप के दौरान फलस्तीन के लिए समर्थन दिखाने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से कोई पोस्ट नहीं आया है। उन्होंने यहां आतंकी हमले की कोई निंदा नहीं की है। इससे पाकिस्तानी क्रिकेटरों का दोहरा चरित्र सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आतंकियों के पाकिस्तानी होने और वहीं से ट्रेनिंग लेने की बात भी सामने आई है, लेकिन पीड़ितों को लेकर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स ने कोई पोस्ट नहीं किया है।

बात साल 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप की है। विश्व कप के बीच में ही आईसीसी द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फलस्तीन के समर्थन में पोस्ट किए थे। पाकिस्तान के शादाब खान, हारिस रऊफ, मोहम्मद नवाज, सलमान अगा और इफ्तिखार अहमद जैसे बड़े खिलाड़ियों ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) के साथ-साथ इंस्टाग्राम अकाउंट से फलस्तीन के झंडे का फोटो शेयर किया था।

इतना ही नहीं ऑलराउंडर इमाद वसीम, पेस बॉलिंग ऑलराउंडर फहीम अशरफ, संन्यास ले चुके अजहर अली और उसामा मीर ने भी फलस्तीन का झंडा शेयर किया था।वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज और वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान की जीत और अपने शतक को गाजा को समर्पित किया था। श्रीलंका के खिलाफ मैच

में रिजवान ने शतक जड़ा था। उन्होंने नाबाद 131 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद रिजवान ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर लिखा- यह जीत गाजा में हमारे भाइयों और बहनों के लिए था। जीत में योगदान देकर खुश हूं।' वनडे विश्व कप 2023 के दौरान कई मौकों पर इस्राइल-हमास युद्ध से जुड़े प्लेकार्ड और पोस्टर्स को मैदान में पकड़ा गया था। आईसीसी ने इस पर रोक लगाई थी। सिर्फ प्लेकार्ड ही नहीं, इस्राइल या फलस्तीन के समर्थन में किसी भी तरीके के नारे लगाने पर पाबंदी लगाई गई थी। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध में हजारों लोगों की मौत हुई थी। इस युद्ध के दौरान गाजा के अल-अहली अस्पताल में विस्फोट हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। इस हमले का आरोप हमास और इस्राइल एक दूसरे पर मढ़ते दिखे थे।

हालांकि, फलस्तीन का समर्थन करने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटरों का अब दोहरा चरित्र सामने आया और उनके तथाकथित मानव मूल्यों को लेकर बयानों का भी पदार्फाश हो गया है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और प्रोफेसर के नाम से मशहूर मोहम्मद हफीज ने ही सिर्फ इस घटना की निंदा की है। उन्होंने लिखा- दुखी हूं और दिल टूट गया। #पहलगाम आतंकी हमला। इसके अलावा किसी का पोस्ट नहीं आया। पाकिस्तानी खिलाड़ी फिलहाल पाकिस्तान सुपर लीग में व्यस्त हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक्स पर लिखा था, 'मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत स्ट्राइक करेगा।' गंभीर के अलावा कई और क्रिकेटरों ने भी पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी। इनमें सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव जैसे क्रिकेटर शामिल हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की। वहीं, तेंदुलकर ने लिखा, 'पीड़ित परिवार अकल्पनीय कष्ट से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया भर में लोग इस कठिन समय में उनके साथ हैं। हम इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं और न्याय की प्रार्थना करते हैं।' विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना। जिन परिवार के लोगों ने इस कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान गंवाई है, उनके लिए प्रार्थना करता हूं और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति मिले ऐसी प्रार्थना करता हूं।'

दैनिक आदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम!! सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

आसमान में उगलता लावा

किलाउआ, हवाई
दिसंबर 2024 से माउंट किलाउआ के 18वें विस्फोट के दौरान आसमान में लावा उगलता हुआ

शॉर्ट न्यूज

कांग्रेस नेता महेश जोशी को ईडी ने किया गिरफ्तार

जयपुर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को दिनभर अधिकारियों ने जोशी से पूछताछ की थी। महेश जोशी दोपहर में ईडी कार्यालय पहुंचे थे। एजेंसी महेश जोशी को पिछले कई समय से पूछताछ के लिए बुला रही थी, लेकिन महेश जोशी व्यक्तिगत कारणों की वजह से नहीं जा रहे थे।

परिजनों से बात नहीं कर पाएगा राणा, याचिका खारिज

नई दिल्ली । 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पटियाला हाउस कोर्ट ने तहव्वुर राणा की उस याचिका को ख़ारिज कर दिया है जिसमें राणा ने एनआईए रिमांड के दौरान परिजनों से बात करने की इजाजत की मांग की थी।

FIITJEE कोचिंग के 10 ठिकानों पर ED की रेड

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने FIITJEE के 10 ठिकानों पर छापेमारी की है। FIITJEE के मालिक डीके गोयल के दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। मामला कई कोचिंग बंद होने से जुड़ा है। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि उन्होंने पूरे साल की फीस भर दी थी, लेकिन संस्थान ने अपने कई कोचिंग सेंटर बंद कर दिए।

यूपी ATS के हत्थे चढ़ा खालिस्तानी मंगत सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. उसने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान कमाण्डो फोर्स (केसीए.) के आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिरफ्तार कर लिया है।

शांति वार्ता के बीच कीव पर ड्रोन हमला

नौ लोगों ने गंवाई जान, 70 गंभीर घायल

एजेंसी ● कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध शांति वार्ता के बीच और भी ज्यादा भड़कता हुआ नजर आ रहा है। गुरुवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस की तरफ से ड्रोन और बैलेस्टिक मिसाइल हमले किए गए। कीव प्रशासन के मुताबिक इन हमलों में मारे गए 9 लोगों में 6 बच्चे शामिल हैं। इसके साथ ही करीब 70 लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक कीव प्रशासन ने इस हमले में ड्रोन्स के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइल के इस्तेमाल की भी आशंका जताई। शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मिसाइल और ड्रोन हमलों की वजह से कई आवासीय क्षेत्रों में धमाके हुए, जिससे वहां पर आग लग गई। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय समयानुसार रात करीब 1 बजे यूक्रेन की राजधानी में जोरदार धमाके हुए, कीव प्रशासन की ओर से सायरन बजाकर स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की चेतावनी दी गई।

हमला

प्रशासन के मुताबिक सुरक्षाकर्मी और बचाव दल रात भर धमाकों की वजह से नष्ट हो चुकी इमारतों के मलबों में से घायल लोगों को निकालने में लगे रहे। सुबह होने तक सुरक्षाबलों ने काफी लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा दिया

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अभी तक जेलेंस्की के युद्धविराम के प्रस्ताव पर कोई ठोस बात नहीं की है। इतना ही नहीं पिछले महीने भी अमेरिका की मध्यस्थता में की गई शांति वार्ता की पहल को भी रूस की तरफ से इनकार कर दिया गया था। इस सब से झुंझलाए ट्रंप प्रशासन ने भी साफ तौर पर कह दिया था कि अगर दोनों पक्ष शांति नहीं चाहते हैं तो अमेरिका यहां से मध्यस्थता नहीं करेगा। हालांकि इसके बाद पुतिन ने ईस्टर के मौके पर कुछ दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा कर दी थी। फिलहाल यूरोपीय देश और अमेरिका सहित सभी लोग युद्धविराम की बात पर लगे हुए हैं। हालांकि जेलेंस्की और ट्रंप के बीच में क्रीमिया को लेकर मामला फंसा हुआ है। ट्रंप का कहना है कि जेलेंस्की के साथ बात करना, रूस के साथ बात करने से ज्यादा मुश्किल है।

पुतिन पर बरसे ट्रंप

गुरुवार को जेलेंस्की पर गैर जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगा कर भड़के ट्रंप अब पुतिन पर बरस उठे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को व्लादिमीर पुतिन को आड़े हाथों लेते हुए चेतावनी जारी कर दी है। ट्रंप ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर हुए घातक हमलों के बाद रुसी राष्ट्रपति को जमकर सुनाया है। ट्रंप ने कहा है कि यह हमला बेहद खराब समय में हुआ है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मैं कीव पर रुस के हमलों से बिल्कुल खुश नहीं हूं। यह जरुरी नहीं था, और खास कर यह बहुत ही खराब समय था। व्लादिमीर, बंद करो!" अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, "हर हफ्ते 5000 सैनिक मर रहे हैं। चलो शांति समझौते को अंजाम दें!"

पीएम मोदी ने चार नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी ● पटना

पीएम मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिहार में करीब 13,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। साथ ही उन्होंने यहां चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

चार नयी ट्रेनों में सहरसा और मुंबई के बीच 'अमृत भारत एक्सप्रेस', जयनगर और पटना के बीच 'नमो भारत रैपिड रेल', पिपरा-सहरसा तथा सहरसा-समस्तीपुर के बीच चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने सुपौल-पिपरा रेल लाइन, हसनपुर-बिथन रेल लाइन तथा छपरा और बगहा में दो लेन वाले रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने

खगड़िया-अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसमें रेल अनलोडिंग की सुविधा भी होगी। यह संयंत्र थोक एलपीजी परिवहन को अधिक कुशल और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाएगा।

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का हमास पर गुस्सा फूटा, कहा-

'कुत्तों की औलादों, बंधक छोड़ो'

एजेंसी ● यरूशलम

गाजा पर इजरायल के भीषण हमलों से आहत फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास पर अब तक का सबसे तीखा हमला करते हुए उन्हें कुत्तों की औलाद* कहा और उनसे इजरायली बंधकों को रिहा करने तथा समूह को निरस्त्र करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी पर हो रहा इजरायल का हमला रोके जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन बंधकों की मौजूदगी इजरायल को हमला जारी रखने का बहाना दे रही है।

भाषण

सीधे निशाने पर हमास

रामल्ला से टेलीविजन पर दिए गए भाषण में अब्बास ने कहा, "कुत्तों की औलाद, बंधकों को रिहा करो और इजरायल को हमलों का बहाना मत दो।" उन्होंने आरोप लगाया कि हमास 2007 से गाजा पर नियंत्रण के बाद

से फिलिस्तीनी मकसद को "भारी नुकसान" पहुंचा रहा है और इजरायल को अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए मुफ़्त में बहाने दे रहा है।

नेतन्याहू को मौका मत दो

राजनीतिक दल बनो

अब्बास ने कहा कि हमास को अब गाजा का नियंत्रण छोड़ देना चाहिए और फिलीस्तीन मुक्ति संगठन (PLO) और फिलीस्तीनी नेशनल अथॉरिटी को सारे प्रशासनिक अधिकार सौंप देने चाहिए। उन्होंने कहा कि "हमास हथियार उठाना छोड़कर एक राजनीतिक दल की तरह काम करे जो अंतरराष्ट्रीय वैधता और फिलीस्तीन राज्य के कानूनों के तहत काम करे।" उन्होंने एक बार फिर नागरिकों पर हमलों की निंदा की और सभी फिलिस्तीनी दलों से PLO के बैनर तले एकजुट होने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने युद्ध समाप्त करने, इजरायली फौज की गाजा से वापसी और स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य की स्थापना की मांग दोहराई।

हमास का पलटवार

अब्बास के बयानों पर हमास ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनकी "योग्यता पर सवाल" उठाए। संगठन ने कहा कि अब्बास "संदिग्ध तरीके से" इजरायल के अपराधों का दोष खुद फिलिस्तीनी जनता पर डालते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)